卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐जय माता दी卐
卐 सीताराम बाबा जी卐卐जय बाबा की卐卐श्याम बाबा卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐
उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यःशोकवहिं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 109 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) ♦शनिवार ♦24 जनवरी 2026 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

डीआईजी अमिताभ श्रीवास्तव निलंबित

भ्रष्टाचार पर मुख्यमंत्री का बड़ा प्रहार,होमगार्ड विभाग में टेंडर प्रक्रिया में बरती गई थीं अनियमितताएं

देहरादून (उद संवाददाता)। भ्रष्टाचार के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को दोहराते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक बार फिर कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री ने होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग में वर्दी सामग्री खरीद से जुड़े बड़े घोटाले में संलिप्तता पाए जाने पर निदेशक होमगार्ड (डिप्टी कमांडेंट/डीआईजी रैंक) अमिताभ श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री के इस कड़े कदम से प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया है।टेंडर प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी पड़ी भारी पूरा मामला वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान होमगार्ड्स के लिए वर्दी सामग्री की खरीद से जुड़ा है। आरोप है कि इस खरीद प्रक्रिया के दौरान नियमों को ताक पर रखकर चहेतों को लाभ पहुंचाने के लिए टेंडर प्रक्रिया में भारी वित्तीय अनियमितताएं की गईं। महानिदेशक, होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा, देहरादून की ओर से शासन को भेजी गई गोपनीय रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि हुई थी कि खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता का नितांत अभाव रहा और सरकारी मानकों का खुला उल्लंघन किया गया।उच्च स्तरीय जांच के घेरे में अफसर महा निदेशक की ओर से मिली संस्तुति और रिपोर्ट के आधार पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अमिताभ श्रीवास्तव के निलंबन पर मुहर लगाई। इसके साथ(शेष पृष्ठ सात पर)

पति ने चाकू से गला रेतकर पत्नी को उतारा मौत के घाट

पिथौरागढ़ (संवाददाता)। सीमांत जनपद के मुख्यालय स्थित जाखनी क्षेत्र में शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। सात जन्मों तक साथ निभाने का वचन देने वाले एक पति ने पारिवारिक कलह के चलते अपनी ही पत्नी की नृशंस हत्या कर दी। आरोपी ने पत्नी के गले पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस जघन्य वारदात से पूरी कॉलोनी और शहर में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, मूल रूप से विकासखंड मूनाकोट के झूलाघाट क्षेत्र अंतर्गत कानड़ी गांव निवासी 40 वर्षीय राजेश राम लाबड़ महाराष्ट्र के पुणे में एक निजी कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में कार्यरत है। राजेश करीब एक सप्ताह पहले ही छुट्टी पर घर आया था। उसका परिवार वर्तमान में जाखनी क्षेत्र की एक कॉलोनी में किराए के मकान में रह रहा है। बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो इतनी बढ़ गई कि राजेश ने आपा खो दिया और घर में रखे चाकू से अपनी पत्नी नीलम उर्फ निर्मला देवी के गले पर हमला कर दिया। चीख-पुकार सुन दहल उठे पड़ोसी हमला इतना घातक था कि नीलम को संभलने का मौका तक नहीं मिला और अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के समय घर में मौजूद बच्चों और आसपास के लोगों में चीख-पुकार मच गई। सूचना (शेष पृष्ठ सात पर)

दबंगों का तांडव,युवती से बदसलूकी के बाद पथराव

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। रम्पुरा क्षेत्र में दबंगों ने मर्यादाओं की सीमा लांघते हुए पहले एक युवती से सरेराह बदसलूकी की और जब परिजनों ने इसकी शिकायत की, तो आरोपियों ने रात के अंधेरे में घर पर ईंटों और शराब की बोतलों से हमला बोल दिया। इस जानलेवा हमले में दो भाई गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनमें से एक की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है। रम्पुरा वार्ड संख्या-22 निवासी प्रताप पुत्र लालता प्रसाद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 17 जनवरी को उसकी बहन राखी मोहल्ले में किराने का सामान लेने जा रही थी। आरोप है कि इसी दौरान मोहल्ले के ही रहने वाले सूरज और अरुण ने उसके साथ रास्ते में बदतमीजी की। किसी तरह जान बचाकर युवती घर पहुंची। जब प्रताप इसकी शिकायत लेकर आरोपियों के घर गया, तो वहां उसके साथ गाली-गलौज की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। विवाद टालने के लिए प्रताप अपनी बहन को लेकर घर लौट आया। घटना ने उस वक्त खौफनाक मोड़ ले लिया जब 22 जनवरी की रात करीब 9:30 बजे सूरज, (शेष पृष्ठ सात पर)

न्यूजीलैंड भेजने के नाम पर 24 लाख की ठगी

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। विदेश भेजने और निवेश के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह ने एक युवक को अपना निशाना बनाते हुए करीब 24 लाख रुपये की चपत लगा दी। ठगों ने पहले न्यूजीलैंड भेजने के नाम पर लाखों रुपये ऐंठे और बाद में मामला सुलझाने के बहाने पंचायत बुलाकर फर्जी प्लाट का सौदा कर दोबारा लाखों रुपये हड़प लिए। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर नामजद आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। बिंदुखेड़ा निवासी जसप्रीत सिंह पुत्र इकबाल सिंह ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मई 2023 में उनकी मुलाकात विशाल कुमार शर्मा निवासी जसपुर (हाल निवासी काशीपुर) से हुई। विशाल ने अपने साथी आवेज के साथ मिलकर जसप्रीत और उनके मित्र आयुष्मान सिंह को न्यूजीलैंड का वर्किंग वीजा दिलवाने का झांसा दिया। इसके लिए 28 लाख रुपये का खर्च बताया गया। आरोपियों के झांसे में आकर जसप्रीत ने 11 लाख और आयुष्मान ने 2 लाख रुपये आरोपियों के खातों में जमा कर दिए। अप्रैल 2024 में आरोपियों ने वर्किंग वीजा तो उपलब्ध कराया, लेकिन साल भर बीतने के बाद भी एयर टिकट नहीं दिया और टालमटोल करते रहे। तहरीर के अनुसार, विवाद बढ़ने पर 29 दिसंबर 2024 को काशीपुर में एक पंचायत बुलाई गई, जिसमें अमरजीत सिंह, आशीष चौहान, विमल, सोहेल और अन्य लोग शामिल हुए। पंचायत में तय हुआ कि रुपयों की भरपाई के लिए विमल अपना 2000 स्क्वायर फीट का प्लाट जसप्रीत को देगा। प्लाट की कीमत 24 लाख तय हुई, (शेष पृष्ठ सात पर)

मोबाइल हैक कर खाते से उड़ाए 1-87 लाख

रुद्रपुर। साइबर ठगों ने तकनीक का सहारा लेकर एक युवक का मोबाइल फोन हैक कर लिया और उसके बैंक खाते से 1.87 लाख रुपये की नकदी साफ कर दी। पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, कुमायूं परिक्षेत्र में दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने अज्ञात ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।डॉक्टर कॉलोनी, सिविल लाइंस निवासी सोनू रस्तोगी पुत्र सुरेश चंद्र ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह वाहेगुरु डायग्नोस्टिक सेंटर में कार्यरत हैं। बीती 03 जनवरी को दोपहर करीब 12 बजे से उनका मोबाइल फोन अचानक हैंग होने लगा। इसी बीच दोपहर करीब (शेष पृष्ठ सात पर)

अनियंत्रित कार कंटेनर से टकराई

काशीपुर। मुरादाबाद रोड पर राज्य की सीमा के करीब सूर्या पुलिस चौकी क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम सड़क पर खड़े एक कंटेनर से कार की जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसे में कार चालक बाल बाल बच गया लेकिन गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई। दुर्घटना का कारण डिवाइडर के आसपास अंधेरा होना बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार रात लगभग 8:00 बजे काशीपुर से एक कार मुरादाबाद की ओर जा रही थी इसी दौरान मुरादाबाद रोड पर सूर्या पुलिस चौकी के निकट नैनी पेपर मिल के करीब सड़क पर खड़े कंटेनर से (शेष पृष्ठ सात पर)

लूटकाण्ड का फरार आरोपी दबोचा

काशीपुर। लूट जैसी सनसनीखेज वारदात को अंजाम देकर लंबे समय से फरार चल रहे वारंटी को पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर जरूरी जानकारी जुटाने के बाद उसे न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। गिरफ्तार वारंटी के खिलाफ न्यायालय से गैर जमानती वारंटी जारी किए गए थे। जानकारी के मुताबिक कैलाशा बॉर्डर अमरोहा देहात जिला जेपी नगर उत्तर प्रदेश व हाल कुंडा थाना कुंडा निवासी सलीम पुत्र लतीफ शेख लूट के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था। गिरफ्तारी न होने के कारण उसके खिलाफ न्यायालय से गैर जमानती वारंट जारी किए गए थे। कार्यवाही करने वाली पुलिस टीम ने बताया कि फरार वारंटी कानून से बचने के लिए जगह-जगह ठिकाने बदल रहा था। पुलिस ने सूचना के आधार पर फरार वारंटी को घेराबंदी कर गिरफ्तार करने के बाद उसे न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।

जमीनी विवाद में हवाई फायरिंग और मारपीट

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। जमीनी विवाद को लेकर दिनेशपुर क्षेत्र में दबंगों द्वारा किए गए खूनी संघर्ष और हवाई फायरिंग के मामले में कोर्ट के कड़े रुख के बाद पुलिस ने 10 नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़ित परिवार ने पुलिस द्वारा पूर्व में कार्रवाई न किए जाने पर न्यायालय की शरण ली थी।ग्राम रायपुर (दिनेशपुर) निवासी अंग्रेज सिंह पुत्र मलकीत सिंह ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) रुद्रपुर की अदालत में धारा 175 (3) बीएनएसएस के तहत प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनके चाचा गुरदेव सिंह का ग्राम बिंदुखेड़ा निवासी परमजीत सिंह के साथ लंबे समय से मेड़ (सीमा) को लेकर विवाद चल रहा है। पंचायत के माध्यम से पूर्व में मेड़ सीधी करने और वहां पक्की दीवार बनाने पर सहमति बनी थी। इसी आधार पर पीड़ित पक्ष ने दीवार बनाने के लिए ईंटें रखवाई थीं।आरोप है कि 26 नवंबर 2025 की सुबह करीब 11:30 बजे परमजीत सिंह के दो बेटे हरेंद्र सिंह उर्फ हनी व जसमेर सिंह अपने (शेष पृष्ठ सात पर)

उत्तराखंड में 'वक्फ की संपत्तियों' में हुआ 'बड़ा खेल'

अनेक बेशकीमती वक्फ संपत्तियों के रिकार्ड गायब, किसी बड़े घोटाले की आशंका, मुख्यमंत्री धामी से की गई उच्च स्तरीय जांच की मांग

-अर्श-

देहरादून। संसद से नया वक्फ कानून पारित होने के बाद अब उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर राज्य में स्थित सभी वक्फ संपत्तियों को नए वक्फ संशोधन कानून के तहत रजिस्टर करने की कवायद आरंभ कर दी गई है और सूबे का वक्फ बोर्ड प्रदेश में स्थित तमाम वक्फ संपत्तियों की छानबीन कर रहा है। जैसे-जैसे बोर्ड की छानबीन आगे बढ़ रही है ,वैसे-वैसे राज्य में वक्फ संपत्तियों को लेकर किए गए बड़े-बड़े खेल सामने आने लगे हैं। वक्फ बोर्ड की छानबीन में सामने आया है कि राज्य में अनेक कीमती वक्त संपत्तियां पर अवैध रूप से कब्जा किया जा चुका है और अनेक वक्फ संपत्तियों के रिकॉर्ड भी गायब है , ऐसे में उनके रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को अंजाम तक पहुंचाना वक्फ बोर्ड के लिए बेहद चुनौती पूर्ण साबित हो रहा है। ज्ञात हो कि नए कानून के अनुसार देशभर में वक्फ संपत्तियों का एक तय समयसीमा के भीतर पंजीकरण किया जाना था। उत्तराखंड में भी दिसंबर तक यह प्रक्रिया पूरी होनी थी, लेकिन तय समय में काम पूरा नहीं हो सका। मामला

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। जिसके बाद वक्फ ट्रिब्यूनल ने सभी राज्यों को अलग-अलग समयसीमा तय करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में उत्तराखंड वक्फ बोर्ड ने गढ़वाल मंडल के लिए 6 फरवरी और कुमाऊं मंडल के लिए 31 मार्च तक रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख तय की है, लेकिन वक्फ संपत्तियों की रजिस्ट्रेशन की यह प्रक्रिया निर्धारित समय अवधि तक पूरी हो पाना कठिन है। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के चेयरमैन शादाब शम्स ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि राज्य में करीब 5 हजार वक्फ संपत्तियां हैं। जिनमें मदरसे, दरगाह, कब्रिस्तान और अन्य धार्मिक स्थल शामिल हैं। इनमें बड़ी संख्या में ऐसी संपत्तियां हैं, जिन पर वर्षों से अवैध कब्जा चला आ रहा है। जिसके चलते इनका रजिस्ट्रेशन कराना बेहद कठिन साबित हो रहा है। उनके अनुसार वक्फ की जमीनों पर कब्जा जमाए बैठे माफिया जानबूझकर इन संपत्तियों को बोर्ड में दर्ज नहीं होने देना चाहते ,ताकि उनके अवैध कब्जे पर कार्रवाई न हो सके। उन्होंने आगे बताया किवक्फ की अनेक संपत्तियों के रिकॉर्ड के वक्त बोर्ड के पास ही मौजूद नहीं है। उनके अनुसार यह एक बड़ा घोटाला हो सकता है और उनके द्वारा राज्य के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच करने की मांग की गई है। उन्होंने बताया (शेष पृष्ठ सात पर)

विकसित उत्तराखंड से ही प्रशस्त होगा विकसित भारत का मार्ग: धामी

चिन्तन शिविर में प्रशासनिक अधिकारियों को दिया विजन 2047 का मंत्र, टीम उत्तराखंड की भावना से कार्य करने का आह्वान

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सिविल सर्विसेस इंस्टीट्यूट में आयोजित चिन्तन शिविर एवं डॉयलाग ऑन विजन 2047 में राज्य के प्रशासनिक अधिकारियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस दो दिवसीय शिविर के माध्यम से, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के अनुसार 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए ठोस, व्यवहारिक और समयबद्ध रणनीति तैयार की जाएगी। इस दौरान उत्तराखण्ड के समग्र विकास से जुड़े सभी प्रमुख क्षेत्रों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। जिससे राज्य के भविष्य के लिए एक स्पष्ट, व्यवहारिक और समयबद्ध दिशा निर्धारित की जा सकेगी। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प तभी साकार हो सकता है जब देश का प्रत्येक राज्य समान रूप से विकसित हो। इसके लिए उत्तराखण्ड को भी अपने संसाधनों, क्षमताओं और विशिष्टताओं के अनुरूप विकास की एक स्पष्ट और दीर्घकालिक दिशा तय करनी होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तुत "विकसित भारत" का संकल्प किसी एक सरकार, किसी एक कार्यकाल या किसी एक योजना तक सीमित नहीं है, बल्कि ये एक ऐसा व्यापक और दीर्घकालिक राष्ट्रीय दृष्टिकोण है, जिसमें भारत को आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, सामरिक तथा सांस्कृतिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर और वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का संकल्प निहित है। इस विजन की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसमें विकास को केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे मानव केंद्रित, समावेशी और सतत बनाया गया है। विकसित भारत का अर्थ एक ऐसे भारत का निर्माण है जहाँ प्रत्येक नागरिक को समान अवसर प्राप्त हों, जहाँ शासन व्यवस्था पारदर्शी, संवेदनशील और जन-केंद्रित हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति निर्माण से लेकर उसके क्रियान्वयन और अंतिम सफलता तक प्रशासन की सक्रियता, संवेदनशीलता और दक्षता ही

ये तय होती है। इसलिए इस विजन को साकार करने में प्रशासनिक तंत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए हमारे प्रशासन को न केवल तेजी और पारदर्शिता के साथ कार्य करना होगा, बल्कि प्रत्येक नीति, निर्णय और योजना को 'लक्ष्य आधारित' एवं 'जन-केंद्रित' दृष्टि से लागू करना होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि आप लोग अपने कार्यों को केवल आदेश देने या मीटिंग करने तक सीमित न रखें, बल्कि अपने दायरे में आने वाले प्रत्येक कार्य को नवाचार, पारदर्शिता, समयबद्ध और परिणाम केंद्रित दृष्टिकोण के साथ तत्परता और जवाबदेही के साथ पूर्ण करें। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि आज हम विकसित उत्तराखंड से विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का रोडमैप बना रहे हैं। इसका अर्थ केवल योजनाएं और नीतियां बनाने या लक्ष्य निर्धारित करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि हमें ये ये देखना होगा कि हमारी योजनाओं और नीतियों से आम नागरिकों के जीवन में क्या बदलाव आएगा। इसके लिए हमें, किसानों की आय वृद्धि, युवाओं के लिए रोजगार सृजन, महिलाओं के लिए समान अवसर जैसे मानकों पर ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि इन लक्ष्यों की प्राप्ति ही विकसित उत्तराखंड और विकसित भारत की वास्तविक कसौटी तय करेंगे। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि पर्वतीय राज्य होने के नाते हमारे सामने कुछ विशेष चुनौतियाँ भी हैं, लेकिन इन्हीं चुनौतियों के भीतर अनेकों अवसर छिपे हुए हैं। यदि हम अपनी नीतियों और योजनाओं को राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों, स्थानीय आवश्यकताओं और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप ढालें, तो उत्तराखण्ड इकोनॉमी और इकोलॉजी के बीच संतुलन स्थापित कर देश में विकास को नई दिशा दे सकता है। इसके लिए हमें तय करना होगा कि वर्ष 2047 में हमारा राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, पर्यटन, कृषि, ऊर्जा, तकनीक और सुशासन जैसे क्षेत्रों में किस स्तर तक पहुँचना चाहिए। साथ ही साथ विभागीय सीमाओं से ऊपर उठकर विजन 2047 को साकार करने के लिए सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए आगामी पच्चीस वर्षों की स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करनी होगी। उन्होंने कहा कि हमें "सोलो प्लेयर" वाली मानसिकता से ऊपर उठकर निकलकर "टीम उत्तराखंड" के रूप में कार्य करना होगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिस स्थान से आपने अपनी सेवा शुरु की है वहां के विकास पर विशेष ध्यान दें, साथ ही जन जन की सरकार, जन जन के द्वार कार्यक्रम के दौरान सामने आने वाली जनसमस्याओं को डायरी में नोट करते हुए, उनके निराकरण करें। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित उत्तराखंड की नींव सुशासन, तकनीक एवं नवाचार और जन केंद्रित सतत एवं संतुलित विकास के तीन स्तंभों पर टिकी है। सुशासन का अर्थ केवल नियमों और प्रक्रियाओं का पालन करना नहीं बल्कि हमें ये सुनिश्चित करना होगा कि हर निर्णय समय पर हो, हर योजना पारदर्शी हो और हर अधिकारी अपने दायित्व के प्रति जवाबदेह हो। उन्होंने कहा कि हमें ई-गवर्नेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स सहित आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके शासन को और अधिक प्रभावी, तेज और पारदर्शी बनाना होगा। साथ ही ये भी सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित न रहे, बल्कि दूरस्थ और सीमांत गाँवों तक भी पहुँचे। इसके साथ ही, हमारी नीतियों और योजनाओं के केंद्र में आम नागरिकों का कल्याण सर्वोपरि होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास प्रशासन की सबसे बड़ी पूंजी है और इसे बनाए रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड जैसे पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील राज्य में विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। आपदा प्रबंधन को हमें विकास योजना का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को प्रत्येक योजना का स्पष्ट आउटपुट और आउटकम निर्धारित करना होगा। केवल रुपया व्यय हो जाना ही किसी योजना की सफलता का पैमाना नहीं है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आपका प्रत्येक निर्णय केवल आज को प्रभावित नहीं करता, बल्कि आने वाले भविष्य की दिशा भी तय करता है। बतौर प्रशासनिक अधिकारी आपके निर्णय, कार्य और नीतियों से जनता के जीवन में जो सकारात्मक परिवर्तन हुए हैं, वही भविष्य में आपकी वास्तविक पहचान बनेंगे। इसलिए अपने दायित्वों को केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी न समझें, बल्कि इसे समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण का अवसर मानकर निभाएँ। उन्होंने कहा कि कभी कभी देखने में आता है कि जनता की बात अनसुनी रह जाती है, कभी लालफीताशाही कार्यों में देरी लाती है ये स्थितियाँ प्रशासन पर जनता के विश्वास को कमजोर करती हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत और विकसित उत्तराखण्ड की ये यात्रा लंबी है, यदि हमारी दिशा सही रहेगी, हमारी नीति स्पष्ट रहेगी, हमारी नीयत साफ रहेगी और हमारा संकल्प अडिग रहेगा तो हम अपने लक्ष्य को पूर्ण करने में अवश्य सफल रहेंगे। सिविल सर्विसेस इंस्टीट्यूट में आयोजित चिन्तन शिविर एवं डॉयलाग ऑन विजन 2047 में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उद्घाटन सत्र के बाद भी काफी देर तक शामिल हुए। प्रथम सत्र में संबोधन के बाद, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मंच के नीचे हॉल की प्रथम पंक्ति में बैठ गए। इस दौरान मंच पर विभिन्न विषयों पर मंथन और संवाद चलता रहा, सीएम पुष्कर सिंह धामी इस दौरान हॉल में बैठकर, परिचर्चा को सुनते रहे, साथ ही संवाद के प्रमुख बिंदुओं और सुझावों को नोट भी करते रहे।इस अवसर पर सेतु आयोग के सीईओ श्री शत्रुघ्न सिंह, प्रमुख सचिव श्री आर. के. सुधांशु, डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम, नीति आयोग से प्रोग्राम डायरेक्टर डॉ. नीलम पटेल, आईएएस अधिकारी एवं

विकास योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री ने दी 11.80 करोड़ की स्वीकृति

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में अवस्थापना सुविधाओं के विकास और जनहित की विभिन्न योजनाओं के लिए 11.80 करोड़ की धनराशि का अनुमोदन प्रदान किया है। इस बजट से आगामी कुम्भ मेले की तैयारियों के साथ-साथ विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में संपर्क मार्गों, स्थायी रैन बसेरों, सरकारी भवनों और पार्कों का निर्माण सुनिश्चित किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कुम्भ मेला-2027 को भव्य और सुविधाजनक बनाने की दिशा में हरिद्वार के बहादराबाद विकास खंड में चंडी देवी मंदिर विकास योजना के प्रथम चरण के कार्यों हेतु 3.53 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। इसके साथ ही मनसा देवी मंदिर मार्ग संख्या एक व दो पर श्रद्धालु सुविधाओं और पहुंच मार्ग के विकास के लिए 2.19 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी गई है।अन्य विकास कार्यों के तहत मुख्यमंत्री ने जनपद पौड़ी की यमकेश्वर विधानसभा के दुगड्डा क्षेत्र में निराश्रित व्यक्तियों के लिए स्थायी रैन बसेरा निर्माण हेतु 70.55 लाख रुपये की स्वीकृति दी है। जनपद चम्पावत के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बनबसा परिसर में पार्क निर्माण के लिए 70.55 लाख और उत्तरकाशी में जिला कमांडेंट होमगार्ड्स कार्यालय के अनावासीय भवन निर्माण हेतु 2.74 करोड़ रुपये अनुमोदित किए गए हैं।जनपद पिथौरागढ़ की मूनाकोट विकास खंड स्थित ग्राम सभा घुर्चु में आंतरिक सीसी मार्ग व संपर्क मार्ग निर्माण के लिए 96.39 लाख रुपये तथा घुर्चु गोरिला मंदिर से असुरदेव होते हुए कांडा बन्दा तक संपर्क मार्ग निर्माण हेतु 97.37 लाख रुपये की धनराशि को मुख्यमंत्री ने मंजूरी प्रदान की है। सरकार का प्रयास है कि इन निर्माण कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा कर जनता को सीधा लाभ पहुंचाया जा सके।

बेहड़ का निर्णय राजनीति में शुचिता का उदाहरण: बतरा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। रूद्रपुर के चर्चित सौरभ बेहड़ प्रकरण में आए चौंकाने वाले खुलासे के बाद किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ द्वारा उठाए गए कड़े और

नैतिक कदम की चौतरफा सराहना हो रही है। पंजाबी महासभा के पूर्व अध्यक्ष और प्रतिष्ठित समाजसेवी केवल कृष्ण बतरा ने विधायक बेहड़ के इस निर्णय को राजनीति में 'शुचिता और साहस' का उत्कृष्ट उदाहरण बताया है। केवल कृष्ण बतरा ने जारी एक बयान में कहा कि सार्वजनिक जीवन में कई बार ऐसे कठिन क्षण आते हैं जहाँ व्यक्ति को भावनाओं और कर्तव्यों के बीच किसी एक को चुनना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अपने ही खून के खिलाफ जाकर सत्य का साथ देना और सार्वजनिक रूप से अपनी गलती स्वीकार करना किसी साधारण व्यक्ति के बस की बात नहीं है। तिलक राज बेहड़ ने यह साबित कर दिया है कि उनके लिए राजनीति केवल सत्ता का साधन नहीं, बल्कि मूल्यों और मर्यादाओं का मार्ग है। अक्सर देखा जाता है कि रसूखदार लोग अपनों के गुनाहों पर पर्दा डालने की कोशिश करते हैं, लेकिन बेहड़ ने पुलिस की जांच को न केवल स्वीकार किया बल्कि सत्य के साथ खड़े होकर अपराधी को दंड दिलाने की राह प्रशस्त की। बतरा ने कहा कि जिस तरह से विधायक बेहड़ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भावुक मन से जनता से माफी मांगी और अपने बेटे से नाता तोड़ने की घोषणा की, उसने समाज में एक बड़ा संदेश दिया है। उनका यह कदम उन सभी लोगों के लिए एक सीख है जो पद और प्रतिष्ठा की आड़ में सत्य को दबाने का प्रयास करते हैं। केवल बतरा ने कहा कि इस साहसिक फैसले से जनता के बीच तिलक राज बेहड़ का सम्मान और कद और अधिक बढ़ गया है। समूचा पंजाबी समाज और क्षेत्र की जनता उनके इस निष्पक्ष और साहसी निर्णय के साथ खड़ी है। बतरा ने कहा कि राजनीति में गिरावट के इस दौर में विधायक का यह आचरण आने वाली पीढ़ी के जनप्रतिनिधियों के लिए एक मानक स्थापित करेगा।

लूम्स ऑफ नीति-माणा से आत्मनिर्भर बनेंगी चमोली की महिलाएं

पारंपरिक ऊन शिल्प को पुनर्जीवित कर महिलाओं को मजदूर से मालिक बनाने की पहल

चमोली (उद संवाददाता)। जिले के नीति-माणा क्षेत्र की महिलाओं और चरवाहा समुदाय की पीढ़ियों पुरानी ऊन बुनाई की कला को अब नई पहचान मिलने जा रही है। मोटी पंखी, लोई, थुलमा और चुटका जैसे पारंपरिक ऊनी वस्त्र, जो कभी हिमालयी क्षेत्र की पहचान और आजीविका का मुख्य साधन थे, उन्हें 'लूम्स ऑफ नीति-माणा' के माध्यम से पुनर्जीवित किया जा रहा है। समय के साथ बाजार में सस्ते ऐक्रेलिक धागों के बढ़ते चलन ने स्थानीय महिलाओं की मेहनत को कम दाम तक सीमित कर दिया था, लेकिन अब इस नई पहल से महिलाएं सीधे बाजार से जुड़कर अपनी कला का उचित मूल्य प्राप्त करेंगी।लूम्स ऑफ नीति-माणा का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को केवल श्रमिक न बनाकर उन्हें उत्पाद का मालिक बनाना है। इसके तहत पालसी

भेड़ों की स्वदेशी ऊन और भांग आधारित प्रीमियम उत्पाद विकसित किए जा रहे हैं। गांवों में उत्पादक सहकारी संस्थाएं बनाई जा रही हैं, ताकि महिलाएं और कारीगर स्वयं यह तय कर सकें कि बाजार की मांग के अनुरूप क्या बनाना है और उसका मूल्य क्या होगा। लूम्स ऑफ लद्दाख की संस्थापक अभिलाषा बहुगुणा ने बताया कि लद्दाख में यह प्रयोग बेहद सफल रहा है, जहां स्थानीय ऊन और नए डिजाइनों के मेल से महिलाओं की आय में कई गुना वृद्धि हुई है। इसी मॉडल को अब नीति-माणा में लागू कर यहां की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।हाल ही में दिल्ली में आयोजित एक प्रदर्शनी के दौरान इस पहल को बड़ी सफलता मिली, जहां नीति-माणा सहकारी के सदस्यों द्वारा तैयार स्वदेशी ऊन के उत्पादों को ग्राहकों ने हाथों-हाथ लिया। प्रीमियम कीमतों पर बिके इन उत्पादों ने स्थानीय महिलाओं के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दी है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) चमोली के जिला विकास प्रबंधक श्रेयांश जोशी ने बताया कि यदि कारीगर बाजार की मांग के अनुसार हस्तकरघा के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाएंगे, तो निश्चित रूप से उनकी आजीविका में बड़ा सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि नाबार्ड स्थानीय लोगों को आत्मनिर्भर बनाने में निरंतर सहयोग कर रहा है।इस पूरी व्यवस्था को सुदृढ़ करने में मानव सेवा समिति के महेश खंकरियाल और नीति-माणा सहकारी समिति के निर्वाचित सदस्य कुंदन सिंह टकोला, नंदी राणा, किशोर बडवाल और नरेंद्र राणा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस अभियान के माध्यम से अब महिलाएं सस्ते धागों के जाल से निकलकर अपनी पहचान और उत्पादों की मालिक खुद बन रही हैं। यह पहल चमोली के सीमांत क्षेत्रों में सम्मानजनक और टिकाऊ आजीविका की एक नई दिशा तय कर रही है।

भुलाया नहीं जा सकता नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का योगदान: महापौर

रुद्रपुर। महान स्वतंत्रता सेनानी और 'आजाद हिंद फौज' के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती के अवसर पर महापौर विकास शर्मा ने पार्षदों और कार्यकर्ताओं के साथ संजय नगर खेड़ा पहुंचकर नेताजी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया और पुष्प अर्पित कर उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया। इस अवसर पर महापौर विकास शर्मा ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के इतिहास में नेताजी का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा जब नेताजी ने 'दिल्ली चलो' का उद्घोष किया और घोड़े पर सवार होकर निकले, तो उनके एक आह्वान 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' पर देश के हजारों-लाखों युवा अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए निकल पड़े थे। नेताजी ने न केवल अंग्रेजों के छक्के छुड़ाए, बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की सैन्य शक्ति का लोहा मनवाया। आज हम जिस खुली हवा में सांस ले रहे हैं, वह नेताजी और उनके जैसे अमर बलिदानियों के संघर्ष का ही परिणाम है।महापौर ने कहा कि नई पीढ़ी को नेताजी के गौरवशाली इतिहास से जोड़ने और उनके आदर्शों को जीवंत रखने के लिए नगर निगम काशीपुर बाईपास पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 11 फीट ऊँची भव्य 'अश्वारूढ़' प्रतिमा स्थापित करने जा रहा है। यह प्रतिमा आने-जाने वाले हर नागरिक और विशेषकर युवा पीढ़ी को राष्ट्रसेवा और अदम्य साहस की प्रेरणा देती रहेगी।महापौर ने जोर देकर कहा कि नेताजी का त्याग और बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे केवल इतिहास न पढ़ें, बल्कि नेताजी के चरित्र से देशभक्ति और अनुशासन की प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें।इस दौरान संजय नगर खेड़ा वार्ड 11 पार्षद श्रीमती नीतू राय पार्षद पति मानवेंद्र राय, पार्षद प्रमोद शर्मा, सुशील चौहान, गिरीश पाल, चंद्रसेन चंदा, बीनू, संतोष पाल, पवन राणा, नूरुद्दीन, चिराग कालरा,विष्णु , संतोष पाल, मुकेश रस्तोगी, एम पी मौर्य, राजेंद्र राठौर, मुकेश रस्तोगी , राधे शर्मा, भाजपा शक्ति केंद्र संयोजक सिद्धार्थ मलिक, भाजपा बूथ अध्यक्ष मुकेश मंडल, डॉक्टर मनी शंकर, राजू मलिक, दिलीप सरदार, तपन मंडल, सनातन गोस्वामी महाराज, निखिल मंडल प्रियंका विश्वास, चंदन ढाली आदि स्थानीय लोग मौजूद रहे ।

आयुर्वेद के डॉक्टर कर घर से कर रहे एलोपैथ की प्रैक्टिस

काशीपुर/सुल्तानपुर पट्टी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुलतानपुर पट्टी में लंबे समय से संविदा पर तैनात एक आयुर्वेद के चिकित्सक की कारगुजारिया इन दिनों चर्चा का विषय बनी है। जानकारी मिली है कि डॉक्टर साहब स्वास्थ्य महकमे के नियम कायदों को ताक पर रखकर प्राइवेट प्रैक्टिस में लगे हुए हैं। उन्होंने काशीपुर में ही अपने घर पर क्लीनिक खोल रखा है। यहां रोगियों को बाकायदा अपॉइंटमेंट दिया जाता है। मजे की बात तो यह है कि आयुर्वेद के डॉक्टर एलोपैथ पद्धति से रोगियों का उपचार कर रहे हैं। यानी इलाज के नाम पर मरीजों की जिंदगियों से खुले आम खिलवाड़ किया जा रहा है। काशीपुर में चौती चौराहे के समीप अपने आवास पर क्लीनिक चलाने वाले डॉक्टर के बारे में पता चला है कि उपचार के लिए अस्पताल पहुंचने वाले रोगियों को बाहर की दवाइयां और महंगी जांचें प्रिसक्राइब की जा रही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर केके अग्रवाल को इसकी जानकारी मिलने पर उन्होंने मामले की जांच का आश्वासन दिया। सीएमओ ने साफ कहा कि जिले में दायित्वों के प्रति की जा रही लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं है। उधर दूसरी ओर बाजपुर के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डाक्टर पीडी गुप्ता से जब इस बारे में प्रतिनिधि ने मोबाइल फोन पर जानकारी लेने का प्रयास किया तो वह बात को टाल गए।

यूएस नगर में भाजपा कांग्रेस अपनों पर हमलावर

काशीपुर/बाजपुर। प्रदेश का उधम सिंह नगर जनपद पिछले कुछ समय से सियासी अखाड़े में तब्दील है। यहां गृह युद्ध जैसे हालात बने हैं। भाजपा और कांग्रेस की गुटबाजी ने प्रदेश की राजनीति को हास्यास्पद मुहाने पर खड़ा कर दिया है। गदरपुर से भाजपा विधायक अरविंद पांडे अपनी ही सरकार के रडार पर है। सत्ता में बैठे हुक्मरानों से फिलहाल उनका छत्तीस का आंकड़ा चल रहा है। काशीपुर निवासी उद्यमी अनूप अग्रवाल के पक्ष में बयानबाजी करने के बाद से उनकी उल्टी गिनती शुरू हो गई थी। समय-समय पर अपने भाषणों में सीएम को देश का सबसे ईमानदार मुख्यमंत्री बताना गले की फांस बनता गया। किसान सुखवंत सिंह की मौत के बाद गदरपुर विधायक अरविंद पांडे ने जिस तरीके से आक्रामक रुख अपनाते हुए सरकार को कटघरे में खड़ा कर सीबीआई जांच की आवाज उठाई उसने पूरे सिस्टम को एक बार फिर से हिला कर रख दिया। सुखवंत सिंह मौत मामले ने विधायक अरविंद पांडे के समक्ष तमाम दुश्वारियां पैदा कर दी। गंभीर आरोपों का पिटारा लेकर एक के बाद एक लोग सामने आने लगे। जमीनों पर अवैध कब्जे के मामले में विधायक अरविंद पांडे के आवास पर सरकारी नोटिस चस्पा कर दी गई। प्रदेश की राजनीति गरमाई तो गुटबाजी को बल मिला। भाजपा का एक गुट अरविंद पांडे के खिलाफ खुलकर आग उगल रहा है तो दूसरा गुट विधायक अरविंद पांडे के पक्ष में अंदरखाने विरोध की राजनीति में लिप्त है। ऐसे में अवसरवादियों के मजेआ गए। राजनीतिक द्वंद में कुछ अवसरवादी अपनी रोटियां सेकने के फिराक में लगे हुए हैं। दबी जवान कुछ लोगों का यह भी कहना है कि अरविंद पांडे को धामी के मंत्रिमंडल में जगह का न मिलना फसाद की जड़ है। पूर्व की भांति यदि उन्हें कैबिनेट मंत्री का तमगा मिलता तो शायद यह परिस्थितियां पैदा ना होती।

तो क्या फिर पराजय का मुंह देखेगी कांग्रेस : काशीपुर में कांग्रेस एक बार फिर से टूटने के कगार पर है। यहां महिला कांग्रेस की अध्यक्ष पूजा सिंह है जबकि महानगर कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष पिछले दिनों अलका पाल को बना दिया गया। सूत्रों की माने तो महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद को लेकर पार्टी हाई कमान का फैसला संगठन के पदाधिकारियों के गले नहीं उतर रहा यही कारण है कि महानगर कांग्रेस कमेटी के तमाम कार्यक्रमों में मजबूत चेहरे नदारद रहते हैं। हालात ऐसे ही रहे तो कांग्रेस 2027 के चुनावों में एक बार फिर से पराजय का मुंह देखेगी।

ग्रीष्मकालीन धान के विकल्प 'मक्का' की नमी दूर करने के लिए कृषि विभाग और वैज्ञानिकों ने किया मिलों का निरीक्षण

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। जनपद ऊधम सिंह नगर में ग्रीष्मकालीन धान को प्रतिबंधित किए जाने के बाद, इसके विकल्प के रूप में मक्का की खेती को बढ़ावा देने की दिशा में मुख्य कृषि अधिकारी ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मक्का उत्पादन के बाद सबसे बड़ी चुनौती कटाई के समय दानों में मानक से अधिक नमी का होना है, जिसके समाधान के लिए विशेषज्ञों की टीम ने क्षेत्र का दौरा किया।शनिवार को मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. विकेश कुमार सिंह यादव के नेतृत्व में गोविंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पन्तनगर के वैज्ञानिकों की एक विशेष टीम ने क्षेत्र का भ्रमण किया। इस टीम में फार्म मशीनरी एंड पावर इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. रवि प्रताप सिंह और पोस्ट हार्वेस्ट प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. सचिन कुमार शामिल थे। टीम ने वर्धमान राइस मिल और आराध्य राइस मिल का निरीक्षण किया। वैज्ञानिकों ने मिलों में स्थापित 'ड्रायर' की कार्यप्रणाली को बारीकी से देखा और उनके मालिकों व तकनीकी स्टाफ से नमी सुखाने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मिलों के भ्रमण के साथ ही कृषि अधिकारियों और वैज्ञानिकों की टीम ने जनपद में 'बेबी कॉर्न' के उत्पादन एवं प्रोसेसिंग को समझने के लिए 'अहसास फ्रोजन फूड फैक्ट्री' का भी दौरा किया। मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. विकेश कुमार यादव ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार ग्रीष्मकालीन धान पर प्रतिबंध के बाद किसानों को मक्का उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, लेकिन नमी की समस्या के कारण फसल विक्रय में बाधा आती है। वैज्ञानिकों के साथ किए गए इस निरीक्षण का उद्देश्य ऐसी तकनीक और व्यवस्था विकसित करना है जिससे किसानों को मक्का सुखाने और उसके उचित विपणन में कोई परेशानी न हो।

सब जूनियर नेशनल वालीबॉल चौम्पियनशिप के लिए ट्रायल 28 से

किच्छा (उद संवाददाता)। उत्तरांचल वालीबॉल एसोसिएशन की सचिव सपना देवी ने पश्चिम बंगाल के हुगली में आयोजित होने वाली 46वीं सब जूनियर राष्ट्रीय वालीबॉल चौम्पियनशिप (बालक एवं बालिका) के लिए चयन प्रक्रिया का कार्यक्रम जारी कर दिया है। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता 24 फरवरी से 1 मार्च 2026 तक आयोजित होनी है, जिसमें उत्तराखंड की टीम प्रतिभाग करेगी। एसोसिएशन की सचिव ने बताया कि राज्य की सब जूनियर बालक एवं बालिका टीमों के चयन के लिए ट्रायल प्रक्रिया स्पोर्ट्स स्टेडियम रूद्रपुर में आयोजित की जाएगी। उत्तरांचल वालीबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में बालिका वर्ग का चयन ट्रायल 28 जनवरी को और बालक वर्ग का चयन ट्रायल 29 जनवरी 2026 को सुबह 11 बजे से होगा। इच्छुक खिलाड़ी एसोसिएशन द्वारा जारी ऑनलाइन लिंक पर पंजीकरण कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया के लिए पात्रता की शर्तें भी निर्धारित की गई हैं। ट्रायल में केवल वही खिलाड़ी हिस्सा ले सकते हैं जिनकी जन्मतिथि 1 जनवरी 2010 या इसके बाद की हो। प्रतिभागी का उत्तराखंड का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। यदि किसी खिलाड़ी के माता-पिता सरकारी विभाग में कार्यरत हैं और उनकी वर्तमान तैनाती उत्तराखंड में है, तो वे भी प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर भाग ले सकते हैं। सभी खिलाड़ियों को अपने साथ जन्म प्रमाण पत्र या हाईस्कूल अंक तालिका, आधार कार्ड, स्थायी निवास प्रमाण पत्र और पासपोर्ट साइज फोटो की मूल प्रतियां लानी अनिवार्य होंगी। सपना देवी ने सभी जनपदीय इकाइयों और वॉलीबॉल खिलाड़ियों से अपील की है कि जो भी राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं, वे निर्धारित समय पर ट्रायल में पहुंचकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि चयन के संबंध में एसोसिएशन द्वारा नामित समिति का निर्णय ही अंतिम और सर्वमान्य होगा।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरुनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

रोमांटिक गीत 'आज फिर' का टीजर रिलीज

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। मनोरंजन जगत से एक दिल छू लेने वाली पेशकश सामने आई है। प्राइड इंडिया के बैनर तले बन रहे आगामी गीत 'आज फिर' का आधिकारिक टीजर रिलीज कर दिया गया है। टीजर के सार्वजनिक होते ही यह गाना सोशल मीडिया और संगीत प्रेमियों के बीच चर्चा का केंद्र बन गया है।इस रोमांटिक गीत के निर्माता साहिल मनचंदा हैं, जबकि गीत में मुख्य भूमिकाओं में शान खन्ना और रश्मि दास नजर आ रहे हैं। टीजर में दोनों कलाकारों की केमिस्ट्री और भावनात्मक प्रस्तुति दर्शकों को आकर्षित कर रही है। गीत का निर्देशन राहुल प्रजापति ने किया है, जबकि संपादन और डीआई का कार्य सूर्यकांत ने संभाला है। गायक जय सिंह ने इस गीत को अपनी मधुर आवाज से सजाया है। वहीं मेकअप और हेयर की जिम्मेदारी रिंकी व शिखा ने निभाई है।प्राइड इंडिया के संस्थापक साहिल मनचंदा की पहचान केवल एक निर्माता के रूप में ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड के जाने-माने कास्टिंग डायरेक्टर, इवेंट ऑर्गेनाइजर, पॉडकास्ट होस्ट और सेलिब्रिटी मैनेजर के तौर पर भी है। वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रनवे शोज और ब्यूटी पेजेंट्स के डायरेक्टर के रूप में भी सक्रिय हैं। साहिल मनचंदा नए कलाकारों को मंच प्रदान करने और रचनात्मकता को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। 'आज फिर' का टीजर रिलीज होने के बाद अब संगीत प्रेमियों को इस पूरे गाने के आधिकारिक रिलीज का बेसब्री से इंतजार है।

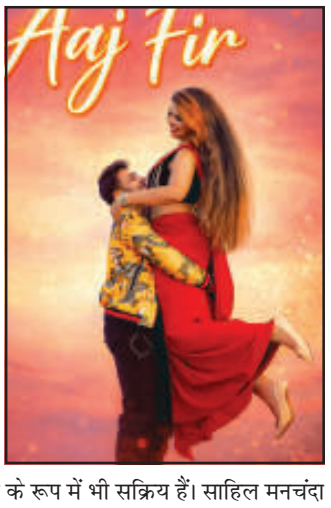

भाजपा नेता अभिषेक गुम्बर की माता का निधन

गदरपुर (उद संवाददाता)। वार्ड नंबर 7, शिव मंदिर निवासी ओमप्रकाश गुम्बर की धर्मपत्नी और भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष अभिषेक गुम्बर की माता कांता रानी का आकस्मिक निधन हो गया है। क्षेत्र की सम्मानित सामाजिक हस्ती के रूप में पहचान रखने वाली कांता रानी के निधन की खबर से पूरे गदरपुर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। उनके सरल स्वभाव और सामाजिक कार्यों में सक्रियता के कारण वे क्षेत्र में अत्यंत लोकप्रिय थीं।दिवंगत कांता रानी का अंतिम संस्कार शनिवार सुबह 10:30 बजे मोक्ष धाम गदरपुर में पूर्ण विधि-विधान के साथ संपन्न किया गया। इस दौरान अंतिम यात्रा और मोक्ष धाम में धार्मिक, राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी तमाम हस्तियों ने पहुंचकर उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने अभिषेक गुम्बर और शोकाकुल परिवार से मिलकर गहरा दुख प्रकट किया और उन्हें ढांढस बंधाया।अंतिम संस्कार के अवसर पर भारी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और इस दुखद घड़ी में परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि कांता रानी का निधन गदरपुर के लिए एक अपूरणीय क्षति है और उनकी सामाजिक सहभागिता को सदैव याद रखा जाएगा।

संडे मार्केट से युवक की बुलेट चोरी

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। शहर में वाहन चोरों के हौसले बुलंद हैं। ताजा मामले में चोरों ने रविवार की शाम संडे मार्केट से एक युवक की बुलेट मोटरसाइकिल पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पाम ग्रीन सोसाइटी, मनिहारखेड़ा रोड निवासी राजीव सिंह पुत्र उदयराज सिंह ने कोतवाली पुलिस को बताया कि वह बीते रविवार (18 जनवरी) की शाम करीब सवा छह बजे काशीपुर रोड स्थित दानपुर संडे मार्केट में सब्जी लेने गए थे। उन्होंने अपनी बुलेट संख्या यूके 06एवाई 6667 को सड़क के किनारे खड़ा किया और हैंडल लॉक लगाकर बाजार चले गए। जब वे सब्जी लेकर वापस लौटे, तो मौके से उनकी मोटरसाइकिल गायब थी। पीड़ित ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और काफी खोजबीन की, लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं लग सका। चोरी गई बुलेट क्लासिक-350 स्टील्थ ब्लैक रंग की है। पीड़ित ने पुलिस से मार्केट के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने और वाहन बरामद करने की गुहार लगाई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

27 जनवरी को तहसील गदरपुर में होगा समान नागरिक संहिता दिवस समारोह

गदरपुर। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता, 2024 के प्रवर्तन के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दिनांक 27 जनवरी 2026 को प्रात: 11 बजे से तहसील परिसर गदरपुर में प्रथम देवभूमि समान नागरिक संहिता दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा।समारोह में समान नागरिक संहिता के अंतर्गत नागरिकों को विवाह पंजीकरण, विवाह विच्छेद पंजीकरण, सहवासी संबंध पंजीकरण सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके साथ ही समान नागरिक संहिता से संबंधित जानकारी विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से दी जाएगी।कार्यक्रम के दौरान बाल विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, राजस्व विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा अपने-अपने स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनके माध्यम से आमजन को विभागीय योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी एवं सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।समारोह में नागरिकों से समान नागरिक संहिता को लेकर उनके सुझाव भी लिए जाएंगे। प्रशासन ने क्षेत्र के नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में समारोह में पहुंचकर लाभ उठाने की अपील की है।

1036 लोगों ने लिया जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार शिविर का लाभ

पूरनपुर में विधायक चौहान और अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय ने सुनी जनसमस्याएं

जसपुर (उद संवाददाता)। जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार शिविर न्यायपंचायत- पूरनपुर विकासखण्ड-जसपुर, के पंचायतघर पूरनपुर में अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। शिविर में समाज कल्याण, पूर्ति विभाग, श्रम, जिला उद्योग, उरेडा, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य विभाग, कृषि, पशुपालन, डेरी, आदि कुल 27 विभागों के स्टाल लगाये गये। शिविर में कुल 34 विभागों के अधिकरी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर में आधार केन्द्र, दिव्यांग प्रमाण पत्र, ब्लड सेम्पल, चेस्ट एक्सरे, एवं अन्य सुविधायें हेतु चिकित्सकों की टीम उपस्थित रही। शिविर में कुल 1036 व्यक्तियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जिसमें 57 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमे से 10 शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया गया।क्षेत्रीय विधायक आदेश सिंह चौहान कहा कि जनता शिविर में विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों पर जाये व योजनाओं का लाभ उठाये। उन्होने विभागीय अधिकारियों से कहा कि लोगों को योजनाओं के बारे में पूरी जानकारी दे ताकि अधिक से अधिक लोग योजनाओं का लाभ ले सकें।दर्जा मंत्री मुकेश कुमार, पूर्व विधायक डॉ0 शैलेन्द्र मोहन सिंघल व जिलाध्यक्ष मनोज पाल ने कहा कि जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम सरकार की प्राथमिकता है, इसलिए शिविर में प्राप्त शिकायतों व समस्याओं का तत्काल निस्तारण किया जाय। उन्होंने कहा कि भारत व राज्यसरकार द्वारा अनेक जनकल्याणकारी योजनाऐं चलाई जा रही हैं इसलिए अधिकारी जनकल्याण कारी योजनाओं का पात्र व्यक्तियों को शत-प्रतिशत लाभ देना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा आप द्वारा चुनी सरकार आपके द्वार पर आकर आपकी समस्याओं का समाधान करने आ रही है इसलिए शिविरों में पहुंचकर कर योजनाओं को अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में जन जन की सरकार जन जन के द्वार शिविर लगाकर जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने व समस्याओं का समाधान किया जा रहा है, इसके लिए उन्होंने मा0 मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।अपर जिलाशिकारी पंकज उपाध्याय ने कहा कि जन जन की सरकार जन जन के द्वार शिविर आई समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने निर्देश अधिकारियों को दिये।शिविर में मा0 ब्लाक प्रमुख श्रीमती अनूप कौर, मा0 मण्डल अध्यक्ष भाजपा मनप्रीत सिंह लाडी, राजकुमार चौहान, कनिष्ठ ब्लाक प्रमुख विमल कुमार, जिलापंचायत सदस्य चरनजीत सिंह चन्नी, नईम अहमद, सन्नी प्रधान, विनीत चौहान, प्राशीष विश्नोई, सुरेन्द्र चौहान एवं ग्राम प्रधान न्यायपंचायत- पूरनपुर मृदुला सागर, दिलशाद शाह, महेश सिंह, ईलमा परवीन, रिंकी, नीशु, सीमा देवी, आरती, कार्यक्रम के नोडल/सहायक निदेशक डेरी राजेन्द्र सिंह चौहान, तहसीलदार दलीप सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी /कर्मचारी, जनप्रतिनिधि व जनता मौजूद थे।

भक्ति और श्रद्धा के संगम के साथ मां अटरिया के दरबार पहुँचा 'दिव्य ध्वज'

महापौर विकास शर्मा ने किया भव्य शोभा यात्रा का शुभारंभ

रुद्रपुर। ऋतुराज बसंत के आगमन और बसंत पंचमी के पावन पर्व पर शुक्रवार को रुद्रपुर की अधिष्ठात्री देवी मां अटरिया के जयकारों से पूरा शहर गुंजायमान रहा। आस्था और परंपरा का निर्वहन करते हुए रम्पुरा स्थित प्राचीन मंदिर से मां अटरिया देवी का पवित्र ध्वज भव्य शोभा यात्रा के माध्यम से अटरिया मंदिर ले जाया गया, जहाँ विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ इसे स्थापित किया गया। इस दौरान समूचा मार्ग मां के भक्तों की पुष्पवर्षा और गगनभेदी जयकारों से भक्तिमय बना रहा।पवित्र ध्वज यात्रा और शोभा यात्रा का विधिवत शुभारंभ रम्पुरा स्थित मां अटरिया मंदिर में महापौर विकास शर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने ध्वज का पूजन कर यात्रा को प्रस्थान कराया। अटरिया मंदिर की महंत श्रीमती पुष्पा देवी के सानिध्य में निकली इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस अवसर पर महापौर विकास शर्मा ने मां अटरिया देवी से समस्त क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि और आरोग्य की मंगल कामना की। उन्होंने कहा बसंत पंचमी का यह पावन पर्व हमें प्रकृति के नवीन सृजन का संदेश देता है और मां अटरिया स्वयं प्रकृति स्वरूपा हैं, जिनकी असीम अनुकंपा इस नगर पर सदैव बनी रहती है। हर वर्ष बसंत पंचमी पर निकलने वाली यह भव्य ध्वज यात्रा मात्र एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हमारी उस प्राचीन और गौरवशाली संस्कृति का जीवंत उदाहरण है, जो हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखती है। महापौर ने आगे कहा आज रुद्रपुर जिस तेजी से प्रगति और विकास की राह पर अग्रसर है, उसके पीछे मां अटरिया का आशीर्वाद और भक्तों की अटूट श्रद्धा है। यह ध्वज हमारे विश्वास और एकता का प्रतीक है, जो हमें शांति और सद्भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। हमारी आने वाली पीढ़ी को भी अपनी इन धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करना चाहिए। इस पावन अवसर पर मंदिर के सचिव पंडित अरविंद शर्मा, पार्षद गिरीश पाल, वीनू, पार्षद प्रतिनिधि चंद्रसेन कोली, संतोष गुप्ता, पूर्व सभासद हरपाल सिंह, सौरभ गुप्ता, किशन सुखीजा, रोहित गुप्ता, पंकज गॉड, कमल, राकेश गुप्ता, मोहित कोहली, आनंद शर्मा, नाथूलाल गुप्ता, रवि गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भक्तगण और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पीआरडी जवानों को सड़ा भोजन देने की पुष्टि के बावजूद नहीं हो रही कार्रवाई

रुद्रपुर। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी की तैयारियों के लिए ड्यूटी और रिहर्सल में आए पीआरडी जवानों को सड़ा और बदबूदार भोजन परोसे जाने के मामले में चौंकाने वाली लापरवाही सामने आई है। हैरानी की बात यह है कि जब खुद जिम्मेदार अधिकारियों ने खराब भोजन की पुष्टि कर दी, तब भी किसी के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।पीआरडी जवानों के हंगामे के बाद दीपक कुमार, टोली प्रमुख ने स्वयं स्वीकार किया कि चावलों से बदबू आ रही थी और वे खराब थे। इसके बाद अधिकारी हृदेश कुमार ने भी यह माना कि जवानों को पुराने चावल खिला दिए गए थे, जिनसे तेज दुर्गंध आ रही थी। यानी मामला दोनों जिम्मेदार अधिकारियों के संज्ञान में पूरी तरह था।इसके बावजूद न तो रसोईया के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई और न ही भोजन की आपूर्ति से जुड़े ठेकेदार या जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई जिम्मेदारी तय की गई। केवल खाना दोबारा बनवाकर मामला शांत कराने की कोशिश की गई, जो इस गंभीर लापरवाही को हल्के में लेने जैसा माना जा रहा है।सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब खराब और बदबूदार भोजन दिए जाने की पुष्टि खुद अधिकारियों ने कर दी थी, तो फिर उच्च अधिकारियों ने अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? यह लापरवाही ऐसे समय में सामने आई है जब जवान राष्ट्रीय पर्व की सुरक्षा और व्यवस्थाओं में तैनात हैं।यह पूरा मामला उधम सिंह नगर के जिला मुख्यालय पर सामने आया, जहां प्रशासनिक निगरानी सबसे मजबूत मानी जाती है। ऐसे में बिना किसी कार्रवाई के मामला दबा देना न केवल जवानों की सेहत से खिलवाड़ है, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।पीआरडी जवानों और स्थानीय लोगों ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी जवान की जान या सेहत के साथ ऐसा खिलवाड़ न हो।

ब्लूमिंग डेल्स मॉडर्न स्कूल में बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रमों से बिखेरी छटा, हुआ मिष्ठान वितरण

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ब्लूमिंग डेल्स मॉडर्न स्कूल में शुक्रवार को बसन्त पंचमी और महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के डायरेक्टर विजय गिरधर ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। इस पावन अवसर पर विद्यालय प्रबंधक विजय गिरधर, मैनेजर नीलम धन्जू, प्रधानाचार्य पंकज लोहनी, उप प्रधानाचार्य मृदुला गिरधर और जसविंदर कौर सहित समस्त शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।समारोह के दौरान विद्यालय के प्रबंधक और प्रधानाचार्य ने छात्र-छात्राओं को बसन्त पंचमी और मां सरस्वती पूजा के धार्मिक व आध्यात्मिक महत्व की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार वे अदम्य साहसी और क्रांतिकारी विचारों के धनी थे। उन्होंने बच्चों को नेताजी के देश के प्रति समर्पण से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।इस दोहरे उत्सव के उपलक्ष्य में विद्यालय के बच्चों ने शानदार रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। मंच पर देशभक्ति गीत, आकर्षक नृत्य, सरस्वती वंदना और श्लोक पाठ की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधक द्वारा बच्चों को मिष्ठान वितरित किया गया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

क्रांतिकारियों के स्मारक भव्य नजर आएं, यह पहली प्राथमिकता: शिव

विधायक ने बसंतीपुर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आदमकद कांस्य प्रतिमा का किया अनावरण

दिनेशपुर (उद संवाददाता)। आजाद हिंद फौज के संस्थापक और ष्तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगाष के नारे से सम्पूर्ण भारत में आजादी की अलख जगाने वाले भारत के वीर सपूत नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती के अवसर पर बसंतीपुर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए नेताजी की आदमकद भव्य कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया और माल्यार्पण कर वीर सपूत को याद किया। मूर्ति अनावरण से पूर्व विधायक शिव अरोरा ने पूर्ण विधि-विधान के साथ मंत्रोच्चारण के बीच हवन-यज्ञ कर आहुतियां दीं। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक शिव अरोरा ने कहा कि बसंतीपुर में राजकीय प्राथमिक विद्यालय के समीप नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्मारक को भव्य आकार देने और आदमकद कांस्य प्रतिमा स्थापना को लेकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस आयोजन समिति व आसपास के सभी गांववासियों ने मांग रखी थी। विधायक ने कहा कि शहीदों और देश के लिए अपना बलिदान देने वाले महान योद्धाओं और शूरवीरों का सम्मान उनकी पहली प्राथमिकता है। उनके स्मारक स्थल भव्य नजर आएं, इसी सोच के साथ उन्होंने वर्ष 2025-26 में जिला योजना के अन्तर्गत पर्यटन विभाग से इस भव्य कांस्य प्रतिमा और स्मारक सौंदर्यीकरण के कार्य को स्वीकृत करवाकर पूर्ण कराया। विधायक ने कहा कि निश्चित रूप से नेताजी हम करोड़ों भारतीयों के प्रेरणा पुंज हैं, जिनका भारत की आजादी की लड़ाई में योगदान अतुल्य है। आज हम आजादी के जिस स्वच्छंद वातावरण में सांस ले रहे हैं, वह नेताजी के पराक्रम और अदम्य साहस के कारण ही संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि उनके प्रयासों से ही शहीद उधम सिंह के कलेक्ट्रेट परिसर में भव्य कांस्य प्रतिमा की स्थापना कराई गई और भगत सिंह चौक पर शहीद भगत सिंह की आदमकद कांस्य प्रतिमा स्थापित करवाई गई है, जिनका आने वाले दिनों में भव्य अनावरण किया जाएगा। विधायक शिव अरोड़ा ने कहा कि ईमानदारी से किए गए प्रयास सदैव सार्थक होते हैं और उनके द्वारा किए गए कार्यों को जनता धरातल पर देख रही है। चाहे वह सड़कों का निर्माण हो, विकास कार्य हों या शहीदों का सम्मान, हर क्षेत्र में उन्होंने अपने चार साल से कम के कार्यकाल में बेहतर कार्य करने का प्रयास किया है। इस दौरान स्कूली बच्चों द्वारा देशभक्ति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। आयोजन समिति ने विधायक शिव अरोड़ा का आभार जताते हुए कहा कि उनकी वर्षों पुरानी मांग को स्वीकार कर प्रतिमा लगवाने और मंच का सौंदर्यीकरण कराने से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर दर्जा मंत्री उत्तम दत्ता, पूर्व मंडी चेयरमैन केके दास, विजय मंडल, तरुण दत्ता, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रीत ग्रीवर, भाजपा मंडल अध्यक्ष जगदीश विश्वास,भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष राजेश बजाज, इंद्रपाल,अशोक ढाली, नरेश तपाली, शिव ढाली, सुमंगल, राजकुमार, ओमियों विश्वास,गुरबाज दुमरा, दयाल सिकदार, अमित नारंग, हरीश भट्ट, आयुष चिलाना, राजीव शुक्ला, राजेश तिवारी, पवित्रो, जगजीत घूमन्न, मयंक कक्कड़, मनोज मदान, कौशल विश्वास, पंकज सरदार, अर्जुन कुमार, कुलदीप चंद्र, रमेश कन्याल, प्रभात स्वर्णकार, अजितेश पाइक, अमृत मंडल, सुरजीत, मनमोहन वाधवा, नंदू राय सहित हजारों लोग मौजूद रहे।

मीना शर्मा ने ठुकराल के खिलाफ फिर खोला मोर्चा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष और पूर्व पालिका अध्यक्ष मीना शर्मा ने शुक्रवार को एसएसपी कार्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक अपराध निहारिका तोमर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल द्वारा उनके विरुद्ध की गई कथित अभद्र और अमर्यादित टिप्पणी वाले ऑडियो प्रकरण में निष्पक्ष जांच और प्राथमिकी दर्ज करने की मांग उठाई।मीना शर्मा ने पुलिस अधीक्षक अपराध को घटना का विस्तृत विवरण देते हुए बताया कि करीब डेढ़ वर्ष पूर्व हुए इस प्रकरण से उनकी प्रतिष्ठा और मान-मर्यादा को गहरी ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि इस ऑडियो के जरिए उनकी सामाजिक छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया, जिससे उन्हें अत्यधिक मानसिक पीड़ा हुई है। उन्होंने बताया कि मामले की शिकायत तत्कालीन समय में कोतवाली रूद्रपुर में की गई थी और राज्य महिला आयोग में भी आपत्ति दर्ज कराई गई थी, लेकिन लंबे समय के बाद भी अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।महिला कांग्रेस नेता ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं के खिलाफ की गई अनर्गल बयानबाजी और अपमानजनक टिप्पणी के बावजूद दोषी के विरुद्ध कार्रवाई न होना दुखद है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अपराध निहारिका तोमर ने मीना शर्मा को आश्वस्त किया कि पुलिस विभाग इस प्रकरण की जांच कर जल्द ही आवश्यक विधिक कार्रवाई अमल में लाएगा। इस मौके पर मीना शर्मा के साथ पूनम गुप्ता, सरोज रानी, माधुरी देवी, श्वेता शर्मा, भूरी देवी कोली, कविता जोशी सहित अन्य महिलाएं मौजूद रहीं।

पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाया हुनर

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। नेताजी सुभाष चन्द बोस की जयन्ती के अवसर पर नगर निगम द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत अपना घर-अपना सपना विषय पर पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता दो वर्गों कक्षा 05 से 08 व कक्षा 09 से 12 में आयोजित की गई। कमेटी के माध्यम से बच्चों का चयन किया गया। प्रति योगिता में शहर के 12 विद्यालयों के 80 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। विजयी प्रतिभागियों को गजराज सिंह बिष्ट, महापौर, सुमित हिर्देश, विधायक व डा. जोगेंद्र पाल सिंह रौतेला, पूर्व महापौर द्वारा प्रमाण-पत्र व मोमेंटो वितरित किए गए। सुरेश अधिकारी द्वारा मंच का संचालन करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम उनके निर्देशन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट, डा. प्रदीप उपाध्याय, दीपांशु जोशी, भाषित पाठक, रजनी, अर्चना, नेताजी सुभाष कमेटी के पदाधिकारी, स्कूल के शिक्षकों सहित लगभग 150 लोगों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कांग्रेस अपनी नफरत की दुकान से बेच रही झूठ का सामान:भट्ट

देहरादून (उद संवाददाता)। भाजपा ने कांग्रेस पर नफरत की दुकान लगाकर झूठ का सामान बेचने का आरोप लगाया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा, अब तक अनेकों मुद्दों पर झूठ और अफवाह फैलाने को लेकर कांग्रेस नेताओं की पोल खुली है और जिसका खामियाजा उन्हें जनता की अदालत में उठाना पड़ेगा। हाल में कांग्रेस विधायक के पुत्र द्वारा किए षडयंत्र पर चिन्ता व्यक्त करते करते हुए उन्होंने इसकी कड़ी आलोचना की है। निशाना साधते हुए कहा पिछले कई दिनों से सभी कांग्रेस नेता अपनी राजनीति चमकाने के लिए बढ़ चढ़ कर बयानबाजी कर रहे थे। धरना प्रदर्शन, शहर बंद करने की धमकी और ये सब कांग्रेस बिना किसी जांच और तथ्यों के कर रही थी। सरकार द्वारा बार बार अनुरोध किया गया कि पुलिस दोषियों को शीघ्र पकड़ लेगी, तब तक राजनीति कर माहौल खराब न किया जाए। लेकिन एक भी विपक्षी नेता ने नहीं सुनी। अब जब सच सामने आ गया है तो उन सभी को सांप सूंघ गया है। किसी एक कांग्रेस नेता ने सामने आकर अपनी गलतियां नहीं स्वीकारी, जिन्होंने स्वीकारी वह सिर्फ परिवार की शर्मिंदगी ढकने के लिए। वहीं सवाल किया कि कांग्रेस नेताओं के गैरजिम्मेदार रुख से यदि माहौल खराब हो जाता तो कौन उसका कसूरवार होता। उन्होंने आरोप लगाया कि मुहब्बत की दुकान चलाने का दावा करने वाली कांग्रेस, नफरत की दुकान चलाती है, जिसमें सिर्फ झूठ का सामान बिकता है। देश की तरह, उत्तराखंड में भी लंबी फेरहिस्त है कांग्रेस द्वारा झूठ और भ्रम पर आधारित घटनाक्रमों की। इससे पूर्व भी अंकिता के दोषियों को उम्रकैद के बाद भी विपक्ष ने अपुष्ट वायरल वीडियो के आधार पर शंका का माहौल बनाया था। अब सरकार द्वारा परिवार की सहमति से सीबीआई जांच और वीडियो के कैरेक्टरों का सामने आकर बयान देने से उनकी पोल खुल गई है। इसी तरह जब इनके नेताओं के खिलाफ जांच हुई तो केंद्रीय एजेंसी खराब और अन्य मामलों में जांच की मांग करना, चारधाम यात्रा डाइवर्ट को लेकर गढ़वाल कुमाऊं के बंटवारे की राजनीति करना, अनावश्यक मुद्दों को उठाकर पहाड़ मैदान की राजनीति करना, नकलविहीन एवं पारदर्शी भर्तियों पर झूठ फैलाना, जांच रिपोर्ट एवं व्यवहारिकता से परे सोना चोरी का आरोप लगाकर केदार धाम की छवि खराब करना, आपदा बचाव को लेकर अफवाह एवं भ्रम फैलना, विकास एवं कानून व्यवस्था के कूटरचित आंकड़ों से प्रदेश की बदनामी करना, अवैध धार्मिक कब्जों को राजनैतिक शह देना, उत्तराखंडियत की बात करना और यूसीसी, धर्मांतरण कानून और डेमोग्राफी नियंत्रण की कोशिशों का विरोध करना। ऐसे अनगिनत मामले हैं जिनको लेकर फैलाए कांग्रेसी झूठ का पर्दाफाश हो चुका है। उसमें भी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा सरकार और संगठन से इस कदर नफरत करना कि प्रदेश के माहौल, सामाजिक सौहार्द, धार्मिक स्थलों और परंपराओं को भी दांव पर लगाना। वहीं तंज किया कि ऐसे खुलती पोल को देखकर ही जनता बार बार चुनावों में कांग्रेस का डिब्बा गोल कर रही है। लेकिन लगता है कांग्रेस ने सबक नहीं लेने की कसम खाई हुई है। लिहाजा भाजपा भी राज्यहित में कोई राजनीतिक रियायत नहीं बरतेगी और 27 के चुनावों में प्रचण्ड जीत दर्ज करेगी।

बेहड़ पर शुक्ला का कटाक्ष, बोले आईना देखेंगे तो 'आका खुद दिख जाएगा'

किच्छा विधायक पुत्र हमले के मामले में जुबानी जंग तेज, शुक्ला ने लगाया राजनीतिक साजिश का आरोप

रूद्रपुर।किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ के पुत्र सौरभराज बेहड़ पर हुए हमले के मामले में नए खुलासों के बाद सियासत पूरी तरह गरमा गई है। पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने विधायक बेहड़ पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पूरे घटनाक्रम के पीछे एक सोची-समझी राजनीतिक साजिश रची गई है। राजेश शुक्ला ने कहा कि घटना होने के बावजूद तीन दिन तक पुलिस में शिकायत दर्ज न कराना गहरे संदेह पैदा करता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विधायक बार-बार जिस 'आका' का जिक्र कर रहे हैं, अगर वे खुद आईना देख लें तो उन्हें उस आका का आकार और जवाब खुद-ब-खुद मिल जाएगा। शुक्ला ने दावा किया कि वर्तमान सरकार, प्रशासनिक अधिकारियों और राजनीतिक विरोधियों को बदनाम करने के लिए यह पूरा ताना-बाना बुना गया। पूर्व विधायक ने आरोप लगाया कि जनता की सहानुभूति हासिल करने, पुत्र को सुरक्षा दिलाने और अपने विरोधियों को झूठे मामलों में फंसाने के उद्देश्य से यह सब किया गया है। उन्होंने कहा कि पिता की जानकारी के बिना इतनी बड़ी योजना बन पाना नामुमकिन है। शुक्ला ने बताया कि मामले में उनके भतीजों की कॉल डिटेल खंगालने पुलिस पहुंची थी, जिसके लिए उन्होंने जांच एजेंसियों का आभार जताया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस रसूखदारों के दबाव में मामले की गहराई तक नहीं जा पाई और जिन तीन लोगों को आरोपी बनाकर पेश किया गया, उनका कोई पूर्व आपराधिक इतिहास सामने नहीं आया है। उन्होंने मांग की कि इस मामले में विधायक पुत्र के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए थी।

बेहड़ का पलटवार-शुक्ला खुद भी समय-समय पर वही आईना देखते रहें

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। पूर्व विधायक राजेश शुक्ला के तंज पर किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ ने भी अपने चिर-परिचित अंदाज में पलटवार किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा करते हुए शुक्ला की प्रतिक्रिया के लिए आभार जताया और उन्हें 'विद्वान व अनुभवी राजनीतिज्ञ' करार दिया। बेहड़ ने पलटवार करते हुए कहा कि जिस 'आईने' की बात राजेश शुक्ला कर रहे हैं, बेहतर होगा कि वे खुद भी समय-समय पर उस आईने को देखते रहें। विधायक ने बिना किसी का नाम लिए इशारों- इशारों में कहा कि राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप लगाना कोई नई बात नहीं है, लेकिन जनता सब जानती है और सच्चाई अंततः सामने आ ही जाती है। बयानबाजी के बाद क्षेत्र में राजनीतिक हलचल और तेज हो गई है।

दिनेशपुर प्रेस क्लब ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मनाई जयंती

दिनेशपुर(उद संवाददाता)। दिनेशपुर प्रेस क्लब की टीम ने शुक्रवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। मुख्य चौराहे पर नेताजी के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके जीवन कार्यों पर प्रकाश डाला गया।दिनेशपुर प्रेस क्लब ने सुभाष चौक स्थित नेताजी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। प्रेस क्लब अध्यक्ष दुलाल चक्रवर्ती ने केंद्र सरकार द्वारा सुभाष जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाने की घोषणा को सराहनीय कदम बताया। चक्रवर्ती ने युवाओं से उनके पदचिह्नों पर चलने का आह्वान किया। वही नगर के गांव बसंतीपुर मैं नेताजी सुभाष चंद्र बोस की दो क्विंटल वजन की कास्य प्रतिमा का रुद्रपुर विधायक शिव अरोड़ा के द्वारा अनावरण किया गया। इस दौरान क्षेत्र के तमाम स्कूलों के बच्चों के द्वारा नेताजी की याद में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के सैकड़ो की संख्या में लोग कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर कार्यक्रम को खूब सरहना किया। इस मौके पर प्रेस क्लब अध्यक्ष दुलाल चक्रवर्ती, महामंत्री दिवेन्दु राय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित सक्सेना, उपाध्यक्ष लाल बहादुर राय, कोषाध्यक्ष मृत्युंजय सरकार, ऑडिटर प्रकाश अधिकारी, काली पद विश्वास, संजीव कुमार, केशव कुमार आदि मौजूद रहे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

मणिपुर में फिर अशांति

पिछले कुछ समय से मणिपुर में जिस तरह हालात थोड़े काबू में दिख रहे हैं, उसके मद्देनजर यह उम्मीद स्वाभाविक है कि अब शायद वहां शांति और स्थिरता लौट सकेगी। मगर बुधवार को एक व्यक्ति की हत्या के बाद फिर से शांति की उम्मीद के धुंधलाने की आशंका खड़ी हो गई है। गौरतलब है कि मणिपुर के अशांत चुराचांदपुर जिले में कुछ संदिग्ध उग्रवादियों ने मैतेई समुदाय के एक व्यक्ति को अगवा कर लिया, फिर गोली मार कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद उस इलाके में तनाव फिर बढ़ गया। गुरुवार को हत्या के विरोध में काकचिंग खुन्नौ लामखाई क्षेत्र में लोगों ने उग्र प्रदर्शन किया और वाहनों की आवाजाही बाधित कर दी। जाहिर है, काफी जद्दोजहद के बाद राज्य में जो हालात थोड़े नियंत्रण में आते दिख रहे थे, उसके फिर बिगड़ने की स्थिति बन रही है।खबरों के मुताबिक, काकचिंग जिले के एक मैतेई युवक की शादी चुराचांदपुर की कुकी जनजाति की युवती से हुई थी। स्थानीय समूहों ने युवक को पत्नी के साथ रहने की इजाजत दे दी थी। मगर इसके बाद अचानक ही कुछ लोगों ने अगवा कर युवक की हत्या कर दी। अपहरणकर्ताओं के एक उग्रवादी कुकी समूह से जुड़े होने का संदेह है।हालांकि इस घटना की जांच का जिम्मा एनआइए को दे दिया गया है और निष्कर्ष आने के बाद ही हकीकत सामने आएगी। मगर हत्या के पीछे उन तत्त्वों का हाथ होने की आशंका है, जो नहीं चाहते कि राज्य में शांति फिर से पटरी पर लौटे। आपस में दो विरोधी समुदायों के युवक-युवती की शादी के बाद जब स्थानीय समूहों ने दोनों को साथ रहने की अनुमति दे दी थी, तो यह पहल सामुदायिक स्तर पर भी सद्भाव की वापसी की एक कड़ी बन सकती थी। इसके बाद दोनों समुदायों के बीच सहमति आधारित समाधान की राह की तलाश करने में मदद मिल सकती थी। मगर वे कौन लोग हैं, जिन्हें इस पर आपत्ति हुई और उन्होंने अपहरण करके युवक की हत्या कर दी?साफ है कि इस घटना को अंजाम देने वालों का मकसद फिर से दोनों समुदायों के बीच अशांति और हिंसा को भड़काना है। मणिपुर में मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के मसले पर मई, 2023 में कुकी-जो समुदाय के साथ जो टकराव पैदा हुआ था, उसमें अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और हजारों परिवार बेघर हुए। लगातार हिंसा और अराजकता में पिछले कुछ समय से थोड़ी कमी देखी जा रही है, मगर जमीन पर दोनों समुदायों के बीच विभाजन की स्थिति अभी भी बनी हुई है। इसे पाटने के लिए सरकार को हर उस पहल का समर्थन करना चाहिए और कुकी तथा मैतेई समुदाय के बीच समझौते की स्थितियों का निर्माण करना चाहिए, जिससे राज्य में शांति कायम हो सके। इस क्रम में केंद्र सरकार, मणिपुर सरकार और कई कुकी-जो संगठनों के बीच एसओओ यानी 'सस्पेंशन आफ आपरेशन्स' समझौता हुआ था, जिसका मकसद उग्रवादी समूहों के साथ राजनीतिक संवाद शुरू करना और हिंसा को समाप्त करना है। मगर अब भी कुछ समूह इससे बाहर हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि मणिपुर में स्थिति फिलहाल नियंत्रण में जरूर दिख रही है और इसके सहारे शांति की उम्मीद की जा सकती है, लेकिन इस स्थिति में अगर निरंतरता नहीं बनी रही, तो एक छोटी चिंगारी भी हिंसा की आग को फिर से भड़का सकती है।

युवा रोजगार खोजने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजक और उद्यमी बनें: राज्यपाल

श्री देव सुमन विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह में 21,664 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

देहरादून (उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शुक्रवार को श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। पंडित ललित मोहन शर्मा परिसर, ऋषिकेश में आयोजित दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों को उपाधियां और सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान कर शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में उन्होंने उत्कृष्ट सेवाएं दे रहे शिक्षकों को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने परिसर में अतिथि गृह, टाइप-5 आवास और बहुउद्देशीय भवन का भी लोकार्पण किया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थियों की उपलब्धियों से अधिक प्रसन्नता उनके माता-पिता और शिक्षकों के चेहरे पर दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि यह दृश्य समाज की सबसे बड़ी सफलता का प्रतीक है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि विश्वविद्यालय के 21,664 विद्यार्थियों ने आज डिग्री प्राप्त की है और वे सभी राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सहभागी बनने जा रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि हमारी युवा और अमृत पीढ़ी भारत के वर्ष 2047 के विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को साकार करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। राज्यपाल ने स्वर्ण पदक विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि उनके भीतर आत्मविश्वास, ऊर्जा और नेतृत्व क्षमता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये सभी विद्यार्थी भविष्य के नेतृत्वकर्ता बनेंगे। उन्होंने कहा कि स्वर्ण पदक कठिन परिश्रम, अनुशासन और निष्ठा का परिणाम होता है, जो सभी के भाग्य में नहीं होता। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि नेतृत्व का अर्थ केवल पद नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है। विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि डिग्री प्राप्त करने के बाद वे केवल नौकरी खोजने वाले न बनें, बल्कि रोजगार सृजक, उद्यमी और नवाचार कर्ता बनें। उन्होंने युवाओं को नशा, भ्रष्टाचार और स्वार्थ से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने युवाओं से बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए कर्मयोगी बनने का आह्वान किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और शोध उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि शोध पत्रों का प्रकाशन और पेटेंट किया जाना विश्वविद्यालय की मजबूत शोध संस्कृति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि शोध और नवाचार ही भारत को विश्व गुरु बनाएंगे और पेटेंट पंजीकरण आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने एलुमनाई का मिलाप और विभिन्न विषयों पर गठित छात्र क्लबों की भी सराहना की, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक हैं। राज्यपाल ने कहा कि आज की आवश्यकता है कि हमारी प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और ज्ञान परंपरा को आधुनिक तकनीकों से जोड़ा जाए। उन्होंने इसे 21वीं सदी का सबसे बड़ा अवसर बताया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार की एकजुटता की प्रशंसा करते हुए कहा कि "एकता में शक्ति" ही भारत की सबसे बड़ी पहचान है। दीक्षांत समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने उपाधि धारक को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग में किए जा रहे नवाचारों के बारे में जानकारी दी। कुलपति प्रो. एन के जोशी ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और नवाचारों के बारे में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर विधायक श्री प्रेमचंद अग्रवाल, परिसर निदेशक प्रो. एम एस रावत, कुलसचिव दिनेश चन्द्रा, सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, गणमान्य लोग, विद्या परिषद और कार्य परिषद के सदस्य सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और उनके अभिभावक गण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री और केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा के बीच सड़क परियोजनाओं पर हुई चर्चा

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के राज्य मंत्री अजय टम्टा ने मुलाकात की। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान मुख्यमंत्री और केंद्रीय राज्य मंत्री के बीच उत्तराखंड में सड़क, राजमार्ग और आधारभूत ढांचे के विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। बैठक में प्रदेश के भीतर राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार, सड़क सुरक्षा, पर्वतीय क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी तथा वर्तमान में चल रही और भविष्य की प्रस्तावित सड़क परियोजनाओं की प्रगति पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चर्चा के दौरान कहा कि राज्य सरकार केंद्र सरकार के सहयोग से उत्तराखंड में सड़क एवं परिवहन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि एक बेहतर सड़क नेटवर्क न केवल प्रदेश के आर्थिक विकास को नई गति देगा, बल्कि पर्यटन, चारधाम यात्रा और सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सीमावर्ती क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को भी नई मजबूती प्रदान करेगा।केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने उत्तराखंड के विकास के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय राज्य की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी उत्तराखंड की सड़क परियोजनाओं के लिए केंद्र की ओर से हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

कुम्भ मेला-2027 के लिए रेलवे और जिला प्रशासन मिलकर तैयार करेंगे संयुक्त ट्रैफिक प्लान

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में शुक्रवार को उत्तर रेलवे मुरादाबाद की मण्डल रेल प्रबन्धक विनीता श्रीवास्तव के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। मुख्य सचिव कार्यालय में आयोजित इस बैठक में उत्तर रेलवे से संबंधित विभिन्न प्रकरणों और महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने ऋषिकेश-डोईवाला बाईपास रेलवे लाइन परियोजना की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी देहरादून को निर्देश दिए कि राजाजी नेशनल पार्क एवं वन विभाग की 3.62 हेक्टेयर वन भूमि के संबंध में रेलवे, मुख्य वन्यजीव वार्डन और राजाजी नेशनल पार्क के अधिकारियों के साथ मिलकर संयुक्त सर्वेक्षण किया जाए। उन्होंने इस सर्वेक्षण की निरीक्षण आख्या शीघ्र शासन को उपलब्ध कराने को कहा है। इसके साथ ही देहरादून-मोहण्ड-सहारनपुर टनल आधारित रेलवे लाइन परियोजना के संबंध में उन्होंने फाइनल लोकेशन सर्वे कर अद्यतन स्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए।मुख्य सचिव ने हर्रावाला रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण को लेकर रेलवे अधिकारियों से मास्टर प्लान शासन के साथ साझा करने की बात कही। उन्होंने निर्देश दिए कि रेलवे और जिला प्रशासन संयुक्त सर्वे कर इसकी रिपोर्ट जल्द पेश करें। कुम्भ मेला-2027 की तैयारियों पर जोर देते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि मेले के दौरान यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए रेलवे अधिकारी, जिलाधिकारी हरिद्वार, एसएसपी, मेलाधिकारी और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के साथ मिलकर एक प्रभावी संयुक्त ट्रैफिक प्लान तैयार करें।इसके अतिरिक्त हरिद्वार में रेलवे सुरंग के पास ढलान स्थिरीकरण (स्लोप स्टेबलाइजेशन) कार्य को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करने और उसकी रिपोर्ट शासन को भेजने के निर्देश दिए गए। बैठक में सचिव परिवहन बृजेश कुमार संत, अपर सचिव रीना जोशी सहित रेलवे के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्राचीन महादेव शिव मंदिर में गूंजा अखंड रामायण का पाठ

क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी

गदरपुर (उद संवाददाता)। सकैनिया पुलिस चौकी के समीप स्थित प्राचीन महादेव शिव मंदिर में बसंत पंचमी के पावन पर्व पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी धार्मिक उल्लास और श्रद्धा के साथ अखंड रामायण पाठ व विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की। मंदिर परिसर में आयोजित अखंड रामायण पाठ के समापन के उपरांत विशाल भंडारे का शुभारंभ हुआ। मुख्य सेवादार प्रेमपाल ने बताया कि बसंत पंचमी पर यह वार्षिक आयोजन क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना के लिए किया जाता है। मंदिर सेवादार हरिओम ने जानकारी दी कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य धार्मिक परंपराओं को जीवित रखना और समाज में आपसी भाईचारे व समरसता को बढ़ावा देना है। भंडारे में सभी वर्गों के लोगों ने बिना किसी भेदभाव के एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने महादेव के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। आयोजन को सफल बनाने में सेवादार हंसराज, विशाल, रणवीर, नौरंग, राजन, सुमित, अभिषेक, अंकित, विवेक, संजय, रवि कुमार, कौशल, आकाश, मनोरंजन वैद्य, शंकर, हरिहर, अमन, मनीष, पंकज, राज कुमार, मोहन लाल, बलदेव मोहन, कल्लू राम, बनवारी लाल, राजपाल और राकेश सहित अनेकों ग्रामीणों ने सेवा भाव से अपना योगदान दिया। देर शाम तक चले इस भंडारे में दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने भी प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ कमाया।

न्यू वुडलैंड एकेडमी में हुई सरस्वती पूजा

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैम्प कृष्णा कालोनी में स्थित न्यू वुडलैंड अकैडमी में बसंत पंचमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर विद्यालय के प्रबंधन सहित समस्त शिक्षक, शिक्षिकाओं और छात्र छात्राओं ने विधि विधान से माता सरस्वती की पूजा की और मां से विद्या, बुद्धि व विवेक का वरदान मांगा। इससे पूर्व ब्राह्मण पुरोहित ने विधि विधान के साथ प्रातः पूजा प्रारंभ की।जिसके सम्पन्न होने पर मां सरस्वती की आरती की गई। तत्पश्चात विद्यालय में प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ब्रह्म स्वरूप गंगवार के अलावा विद्यालय प्रबंधक दिलीप अधिकारी, सुनील गंगवार, लाल बहादुर गंगवार, दिनेश जोशी, अरविंद कुमार, अंकित, मीना कश्यप, सरोज, सपना शर्मा, नीतू, विमला, कमला देवी, सुनीता, रजनी, पूजा, लक्ष्मी आदि छात्र छात्राएं मौजूद थे।

सनातन धर्म मंदिर के वार्षिकोत्सव और बसंत पंचमी पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

गदरपुर (उद संवाददाता)। श्री सनातन धर्म मन्दिर बुध बाजार में मंदिर के वार्षिकोत्सव एवं बसंत पंचमी के पावन पर्व पर आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों का भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव के अंतिम दिन मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य पंडित शिव प्रसाद अग्निहोत्री द्वारा विधिवत पूजन संपन्न कराया गया। सहारनपुर से पधारे सुप्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य देशमुख वशिष्ठ ने कथा के विश्राम दिवस पर श्रद्धालुओं को भागवत महापुराण के सार से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के सिद्धांतों को जीवन में उतारना ही सच्ची भक्ति है। कथा के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे महिला एवं पुरुष श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आए और भजनों पर मंत्रमुग्ध होकर झूमे। कार्यक्रम के समापन पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार भुड्डी एवं अन्य पदाधिकारियों ने व्यास गद्दी और पधारे हुए गणमान्य अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर में विशाल लंगर का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस धार्मिक उत्सव में मुख्य रूप से नगर पालिका अध्यक्ष मनोज कुमार, भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा, वेद बजाज, हरिश्चंद्र छाबड़ा, लेखराज नागपाल, लेखराज भुड्डी सहित अनेक सामाजिक और धार्मिक क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने बसंत पंचमी के अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।

गुरमत समागम में उमड़ा जनसैलाब

गदरपुर (उद संवाददाता)। रतनपुरा स्थित मीरी पीरी खालसा अकैडमी परिसर में आयोजित तीन दिवसीय महान गुरमत समागम का समापन सर्वत्र सुख-शांति की अरदास के साथ हुआ। मौसम की बेरुखी, मूसलाधार बारिश और कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था भारी पड़ी और हजारों की संख्या में संगत ने समागम में शिरकत कर गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया।समागम के अंतिम दिन खुले पंडाल में सजाए गए दीवान में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की छत्रछाया में पंजाब से आए प्रसिद्ध प्रचारक भाई रणजीत सिंह ढढरियां वालों ने गुरबाणी और गुरु इतिहास पर आधारित ओजस्वी प्रवचनों से संगत को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को सिख आदर्शों पर चलने और 'गुरु वाला' बनने का संकल्प दिलाया। विशेष रूप से नौजवान पीढ़ी का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि युवा शिक्षित होकर देश के बड़े पदों पर सुशोभित हों और राष्ट्र सेवा में अपना योगदान दें। इस अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरु हरगोबिंद साहिब के मुख्य सेवादार बाबा अनूप सिंह ने समस्त संगत का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपनी मातृभाषा गुरमुखी को अपनाने, अमृत पान करने और श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की शिक्षाओं पर अटूट भरोसा रखने की अपील की। कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने बाबा अनूप सिंह द्वारा किए जा रहे धार्मिक, सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्यों के लिए उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया। समागम के दौरान दूर-दराज से आई संगत ने अटूट लंगर छका। गुरमत समागम की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आयोजकों ने लगभग 20 हजार श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया था, लेकिन प्रतिकूल मौसम के बाद भी यह संख्या दोगुनी से अधिक पहुंच गई। कार्यक्रम समापन के बाद सड़कों पर वाहनों का भारी दबाव देखने को मिला, जिसे सुचारू करने के लिए सेवादारों और पुलिस प्रशासन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

नव प्रतिष्ठान 'बेदी डिजाइनर सूट' का शुभारंभ

गदरपुर(उद संवाददाता)। नगरवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गदरपुर के मुख्य बाजार में नव प्रतिष्ठान बेदी डिजाइनर सूट का शुभारंभ धार्मिक वातावरण में किया गया। जागरूक परिवार द्वारा श्री सुखमणि साहिब पाठ एवं अरदास के उपरांत प्रतिष्ठान का विधिवत उद्घाटन किया गया।मुख्य बाजार में यूको बैंक तथा हजारीलाल एंड कंपनी के निकट स्थित बेदी डिजाइनर सूट का शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। प्रतिष्ठान स्वामी हरनीत कौर एवं करण बेदी ने बताया कि उनके यहां डिजाइनर सूट, कस्टम ऑर्डर पर सिलाई, फैंसी दुपट्टे, पंजाबी जूती, फुलकारी एवं रुमाला साहिब उपलब्ध रहेंगे, साथ ही उच्च गुणवत्ता के नव डिजाइनर सूट तैयार कराने की सुविधा भी दी जाएगी।उन्होंने बताया कि प्रतिष्ठान का उद्देश्य ग्राहकों को उचित मूल्य पर आकर्षक डिजाइन एवं उत्तम गुणवत्ता उपलब्ध कराना है तथा नगरवासियों से आग्रह किया कि वे एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।इस अवसर पर अर्जुन सिंह बेदी, दीदार सिंह बेदी, प्रीतम सिंह बेदी, नीलम बेदी, साक्षी बेदी, पूनम बेदी, रजविंदर कौर, कुलविंदर सिंह, अरविंदर सिंह बाठ, मनजीत कौर, जतिन बेदी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

खेत में फैले करंट से युवक की मौत

सितारगंज। खेत में जानलेवा करंट फैलाने से युवक की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं। मामले में कार्रवाई को लेकर मृतक के परिजन और ग्रामीण कोतवाली पहुंचे। उन्होंने करंट फैलाने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ग्राम पंडरी निवासी 35 वर्षीय एजाज पुत्र बन्ने शुक्रवार की दोपहर नमाज के बाद लकड़ी लेने के लिए दोस्त बबलू के साथ गए थे। इस दौरान खेत मेंखेत स्वामी ने करंट लगा रखा था। जिसकी जानकारी एजाज और बबलू को नहीं थी। खेत के पास पहुंचते ही एजाज और बबलू को करंट ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में एजाज और बबलू गंभीर रूप से झुलस गए। इस दौरान एजाज की मौत हो गई। जबकि गंभीर बबलू का उपचार अस्पताल में चल रहा है। एजाज की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। इलाज अपने पीछे पत्नी, तीन छोटे मासूम बच्चों को रोता बिलखता छोड़ गए हैं। मामले में परिजनों और ग्रामीणों ने खेत स्वामी पर जानबूझकर करंट फैलाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

पंडरी में खेतों के करंट से दूसरी मृत्यु, जीव जंतु भी मरे

सितारगंज। खेतों में करंट फैलाकर पंडरी गांव में दूसरी घटना सामने आई हैं। इससे पूर्व खेतों के करंट से महिला और उसकी भैंस की मौत हो चुकी हैं। इसके बाद अब एजाज ने खेतों में लगाएं करंट की चपेट में आकर जान गंवा दी। लेकिन जिम्मेदार विभाग इस तरह की घटनाओं को रोकने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं, जिससे आमजन के साथ ही वन्य जीव जंतुओं के साथ ही पालतू जानवरों की जान को भी बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया हैं। खेतों में फसल की रखवाली के दौरान कुछ लोग जानलेवा करंट फैला देते हैं। जो जीवों के साथ ही अब तक दो लोगों की मृत्यु का कारण बन चुका हैं। जिनमें एक महिला भी शामिल हैं। पूर्व में पंडरी निवासी महिला महिला की भैंस को ले जाते समय करंट की चपेट में आकर मौत हो गई थीं। इस मामले में जिम्मेदारों की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की। जिसके नतीजे में एजाज को जान चुकाने पड़ी। हालांकि परिजन एजाज की मृत्यु के बाद न्याय के लिए कोतवाली पहुंचे हैं। उन्होंने पुलिस से मामले में कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले में जांच पड़ताल कर रही है।

एसएसपी को किया सम्मानित

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। जिला बार एसोसिएशन द्वारा एसएसपी मणिकांत मिश्रा के दिशा निर्देश पर बीते दिनों पुलिस टीम द्वारा किच्छा के विधायक तिलक राज बेहड़ के सुपुत्र, पार्षद सौरभ राज बेहड पर हुए हमले का पारदर्शी तरीके से सफल एवं सत्य, खुलासा करने के मामले में पूरी पुलिस टीम को 11000 रुपए का नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र जिला बार एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कुलबीर सिंह ढिल्लों के द्वारा दिया गया। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व अध्यक्ष एमपी तिवारी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य समाजसेवी बंटी खुराना द्वारा एसएसपी को पुष्पगुच्छ देकर, शाल ओड़ाकर सम्मानित किया गया और उधम सिंह नगर में इसी प्रकार पुलिस की कार्यप्रणाली पर बधाई दी और शुभकामनाएं प्रेषित की।

पेज एक का शेष...

उत्तराखंड में वक्फ...कि इस पूरे मामले को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और संबंधित विभागीय सचिवों से लगातार चर्चा की जा रही है। यदि तय समयसीमा के भीतर वक्फ संपत्तियों रजिस्ट्रेशन नहीं कराया गया तो ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वक्फ बोर्ड अब इस मामले में किसी भी तरह की ढिलाई के मूड में नहीं है। उनके मुताबिक वक्फ की संपत्तियां गरीबों, धार्मिक और सामाजिक कार्यों के लिए होती हैं, लेकिन माफियाओं ने इन्हें निजी स्वार्थ के लिए हड़प लिया है। अब सरकार के निर्देश पर बोर्ड की कोशिश यह है कि ऐसी संपत्तियों को जल्द से जल्द माफियाओं के कब्जे से मुक्त कराया जाए। देखा जाए तो उत्तराखंड में वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जे एवं रिकॉर्ड में हेर फेर करके संपत्ति कब्जा करने के विरुद्ध आरंभ की गई मुहिम अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई जान पड़ती है । एक तरफ सरकार और वक्फ बोर्ड रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को पूरा करने में जुटे हैं, तो दूसरी ओर अवैध कब्जेदारों पर शिकंजा कसने की तैयारी भी चल रही है।**डीआईजी अमिताभ...** ही मुख्यमंत्री ने इस पूरे प्रकरण की तह तक जाने के लिए एक संयुक्त जांच समिति गठित करने के निर्देश भी दिए हैं। यह समिति टेंडर से जुड़े हर दस्तावेज और वित्तीय लेन-देन की बारीकी से पड़ताल करेगी, ताकि घोटाले की व्यापकता का पता लगाया जा सके।भ्रष्ट आचरण पर सरकार का स्पष्ट संदेश कार्रवाई के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के प्रति कतई नरमी नहीं बरतेगी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार राज्य के विकास में सबसे बड़ी बाधा है और इसे किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि चाहे अधिकारी कितना भी बड़ा क्यों न हो, यदि वह भ्रष्ट आचरण या अनियमितता में लिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कठोरतम वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने विभागीय मंत्रियों और उच्चाधिकारियों को भी

पति ने चाकू से ...मिलते ही पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) गोविंद बल्लभ जोशी के नेतृत्व में भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। इस खूनी संघर्ष ने हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ कर रख दिया है। दंपती के दो बच्चे हैं-एक 17 वर्षीय बेटा और एक 14 वर्षीय बेटी। अपनी आंखों के सामने पिता द्वारा मां की हत्या किए जाने के बाद से दोनों बच्चे गहरे सदमे में हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि घर में अक्सर विवाद होता था, लेकिन बात हत्या तक पहुंच जाएगी, इसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। वारदात के बाद आरोपी राजेश राम के मौके से फरार होने की खबर आई। हालांकि, कुछ स्थानीय सूत्रों का दावा है कि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे हिरासत में ले लिया है और गुप्त स्थान पर पूछताछ कर रही है। फिलहाल, पुलिस प्रशासन की ओर से आरोपी की आधिकारिक गिरफ्तारी की पुष्टि होना बाकी है। पुलिस हत्या के असल कारणों की तह तक जाने के लिए परिजनों और पड़ोसियों के बयान दर्ज कर रही है।

दबंगों का तांडव..अरुण, विकास, पम्मा, दीपक उर्फ कतली और बद्री ने दो अज्ञात साथियों के साथ मिलकर प्रताप के घर पर धावा बोल दिया। आरोपियों ने घर पर ताबड़तोड़ ईंटें और शराब की बोतलें बरसानी शुरू कर दीं। इस पथराव में प्रताप और उसके छोटे भाई के सिर पर गंभीर चोटें आईं। हमले में प्रताप के सिर की हड्डी टूट गई है और वह वर्तमान में गौतम अस्पताल में भर्ती है, जहां उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। वहीं उसके छोटे भाई के सिर में सात टांके आए हैं। पीड़ित परिवार ने पुलिस से गुहार लगाई है कि आरोपियों से उन्हें जान-माल का खतरा बना हुआ है। रम्पुरा चौकी पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बिगाड़ने और जानलेवा हमला करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

जमीनी विवाद में ....सहयोगियों अमनदीप सिंह, गोल्डी, पलविंदर सिंह, अंगेज सिंह, डिंपल उर्फ बन्टी, समर सिंह, रमनदीप और बलकार सिंह के साथ एकराय होकर खेत पर पहुंचे। ये लोग अवैध असलहों और डंडों से लैस थे। आरोपियों ने खेत में रखी ईंटें फेंकनी शुरू कर दीं। जब पीड़ित परिवार ने इस घटना का वीडियो बनाना शुरू किया, तो आरोपी भड़क गए और जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया।शिकायत के अनुसार, आरोपी हरेंद्र और अमनदीप ने आतंक फैलाने के इरादे से हवा में कई राउंड फायरिंग की और तमंचे के बट से प्रहार कर अंग्रेज सिंह और उनकी चाची सुरेंद्र कौर को बुरी तरह लहूलुहान कर दिया। शोर सुनकर पड़ोसियों ने बीच-बचाव किया, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित ने बताया कि घटना की शिकायत पुलिस चौकी और एसएसपी कार्यालय में की गई थी, लेकिन कोई सुनवाई न होने पर उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश पर अब रुद्रपुर कोतवाली पुलिस ने सभी 10 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोबाइल हैक कर ...3:45 बजे उनके मोबाइल पर दो अज्ञात नंबरों (06289472081 व 07858943044) से कॉल आई। जब उन्होंने कॉल रिसीव की, तो दूसरी ओर से कोई जवाब नहीं मिला।सोनू ने जब अपना फोन चेक किया तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। उनके मोबाइल की कॉल, मैसेज और वीडियो कॉल एक अज्ञात नंबर पर फॉरवर्ड कर दी गई थी। इसी दौरान उनके मोबाइल पर एचडीएफसी बैंक खाते से पैसे कटने के लगातार चार मैसेज प्राप्त हुए। साइबर ठगों ने उनके खाते से अनधिकृत रूप से 49-49 हजार के तीन और 40 हजार रुपये का एक ट्रांजैक्शन कर कुल 1,87,000 रुपये निकाल लिए।पीड़ित ने घटना के तुरंत बाद साइबर क्राइम पोर्टल पर भी अपनी शिकायत दर्ज कराई। सोनू रस्तोगी की तहरीर के आधार पर पुलिस ने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा कंप्यूटर संसाधनों का प्रयोग कर मोबाइल का अनधिकृत एक्सेस लिया गया और ओटीपी व मैसेज फॉरवर्ड कर धोखाधड़ी की गई। पुलिस अब उन नंबरों और बैंक ट्रांजैक्शन के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

न्यूजीलैड भेजने ...जिसमें से पुराने 13 लाख काटकर जसप्रीत को शेष 11 लाख रुपये और देने थे। जसप्रीत ने विश्वास में आकर 11 लाख रुपये आरोपियों द्वारा बताए गए अलग-अलग खातों (विमल, आशीष, अमरजीत और कमेन्द्र) में ट्रांसफर कर दिए। रुपये देने के बाद जब जसप्रीत ने रजिस्ट्री की मांग की, तो पता चला कि वह प्लाट पहले ही किसी और के नाम पर बेचा जा चुका है। ठगी का अहसास होने पर जब पीड़ित ने अपने रुपये वापस मांगे, तो आरोपी आशीष चौहान और विमल कुमार ने रुद्रपुर आकर उसे धमकाया। आरोपियों ने साफ कहा कि उनकी पुलिस से साठगांठ है और वे पहले भी कई लोगों को इसी तरह ठग चुके हैं, उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाया। पुलिस ने जसप्रीत की शिकायत पर विशाल कुमार शर्मा, आवेज, विमल, आशीष चौहान और अमरजीत सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अनियंत्रित कार...कार बुरी तरह टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के घटते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। कार चालक ने बताया कि सड़क पर किसी प्रकार की रोशनी अथवा रिफ्लेक्टर ना लगे होने के कारण डिवाइडर उसे ठीक से दिखाई नहीं दिया। मौके पर पड़ताल के बाद पता चला है कि वाहनों के आवागमन को लेकर स्थानीय पुलिस संजीदा नहीं है। इस स्थान पर पूर्व में भी कई बार गंभीर हद से घटित हो चुके हैं। यहां बताते चलें कि सूर्या पुलिस चौकी के आसपास पेपर मिल में आने वाले भारी वाहनों को हाईवे के किनारे आड़ा तिरछा खड़ा कर दिया जाता है

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

सीएम को कमजोर करने की रची जा रही साजिश: दीपक बाली

मेयर दीपक बाली का पांडेय पर सीधा हमला,पूर्व सांसद बलराज पासी को बताया धृतराष्ट्र

काशीपुर (उद संवाददाता)। काशीपुर के महापौर दीपक बाली ने गदरपुर विधायक और पूर्व मंत्री अरविंद पांडेय के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उन पर गंभीर आरोपों की झड़ी लगा दी है। शुक्रवार को नगर निगम सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान महापौर ने तीखे लहजे में कहा कि एक विशेष गिरोह लगातार मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विकास कार्यों में रोड़े अटकाने और उनकी सरकार को कमजोर करने का षड्यंत्र रच रहा है। महापौर दीपक बाली ने शेरो-शायरी का सहारा लेते हुए विधायक पांडेय पर तंज कसा और कहा- "जहाँ से मिल रहा था आबोदाना, उसी घर को जलाकर तापते हो।" उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने युवा नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए पुष्कर सिंह धामी को प्रदेश की बागडोर सौंपी, लेकिन यह बात कुछ लोगों को हजम नहीं हो रही है। बाली ने आरोप लगाया कि विधायक अरविंद पांडेय मुख्यमंत्री से उम्र में कम होने के बावजूद उनके पद और कद को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उनकी तिलमिलाहट साफ दिखाई दे रही है।बाली ने पुरानी घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि

मुख्यमंत्री धामी खटीमा से चुनाव हारे नहीं थे, बल्कि उन्हें एक सोची-समझी साजिश के तहत हराया गया था। उस दिन से लेकर आज तक उन्हें अस्थिर करने का खेल जारी है। उन्होंने कहा कि विधायक पांडेय के कार्य ऐसे हैं जैसे वे भाजपा के विधायक न होकर विपक्ष के नेता हों। मेयर ने अंकिता भंडारी हत्याकांड का उदाहरण देते हुए कहा कि जहाँ एक ओर कांग्रेसी इस मुद्दे को हवा दे रहे थे, वहीं पार्टी के भीतर बैठे वरिष्ठ लोगों ने भी अपनी ही सरकार के खिलाफ राजनीति शुरू कर दी थी। महापौर ने विधायक को चुनौती देते हुए कहा कि यदि उनमें साहस है तो वे सामने आकर सीधे कहें कि वे पुष्कर सिंह धामी को मुख्यमंत्री के रूप में नहीं देखना चाहते। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि पार्टी और मुख्यमंत्री को कमजोर करने वाले ऐसे तत्वों को जनता और संगठन बखूबी देख रहा है। इस तीखे बयान के बाद जिले की राजनीति में एक बार फिर गुटबाजी और कलह खुलकर सामने आ गई है। वही महापौर दीपक बाली ने कहा कि महाभारत में धृतराष्ट्र पुत्रमोह में होने वाले गलत कार्यों को चुपचाप देख रहे थे। ऐसे ही बलराज पासी भाजपा के स्तंभ और वरिष्ठ नेता धृतराष्ट्र बने हुए हैं। गदरपुर में गदर मचाने की कोशिश का जो मंच सजाया गया था, उसमें बलराज पासी दिखाई नहीं दिए। इसका मतलब वो अपने पुत्र के कृत्यों से खुश नहीं हैं लेकिन इसके लिए उन्हें आगे आना पड़ेगा।

मैं दीपक बाली की मजबूरी और लाचारी समझता हूं: पाण्डे

गदरपुर। विधायक अरविंद पांडेय ने मेयर दीपक बाली द्वारा लगाए गए आरोपों पर सधे हुए अंदाज में पलटवार किया है। उन्होंने मेयर बाली के तीखे बयानों को उनकी राजनीतिक विवशता करार देते हुए कहा कि वह उनकी स्थिति को बेहतर समझते हैं। विधायक पांडेय ने कहा दीपक बाली मेरे मित्र हैं, लेकिन मित्र सिर्फ कहने से मित्र नहीं होता। एक सच्चे मित्र को अपने साथी की व्यवस्था, उसकी मजबूरी और लाचारी को समझना चाहिए। उन्होंने आगे जोड़ते हुए कहा कि वह भली-भांति जानते हैं कि बाली इस समय किस दबाव में हैं। पांडेय ने तंज कसते हुए कहा प्रेस वार्ता में दीपक बाली जो शब्द बोल रहे थे, उनका एक-एक शब्द उन पर खुद भारी पड़ रहा होगा। मैं इस पूरी स्थिति की कीमत और उनके पीछे की वजहों को जानता हूं, इसलिए इस विषय पर अब और कोई कमेंट नहीं करूंगा।

संगठन को कमजोर न करें विधायक पाण्डेय: गुंजन

गदरपुर (उद संवाददाता)। भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा ने गदरपुर विधायक अरविंद पांडेय के हालिया बयानों पर कड़ा ऐतराज जताते हुए उन्हें संगठन हित में काम करने की नसीहत दी है। उन्होंने दो टूक कहा कि विधायक को ऐसे बयानों से बचना चाहिए जो पार्टी और संगठन की छवि को धूमिल करते हों या उसे कमजोर करने का प्रयास करते हों। अपने कैंप कार्यालय में पत्रकारों से रूबरू होते हुए गुंजन सुखीजा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अरविंद पांडेय पर हमेशा विश्वास जताया और उन्हें लगातार टिकट देकर सम्मान दिया, लेकिन इसके बावजूद उनके द्वारा बार-बार संगठन को नुकसान पहुंचाने वाले कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि

विधायक का दोहरा चरित्र इस बात से स्पष्ट होता है कि वे कभी भी कांग्रेस की राष्ट्रविरोधी नीतियों के खिलाफ खुलकर नहीं बोलते और विपक्षी नेताओं की बयानबाजी पर रहस्यमयी चुप्पी साधे रहते हैं, जबकि अपनी ही भाजपा सरकार के खिलाफ तीखे बयान देने का कोई अवसर नहीं छोड़ते। प्रदेश मंत्री ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का बचाव करते हुए कहा कि सीएम के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उनके खिलाफ किसी भी तरह की अनर्गल और अमर्यादित बयानबाजी को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने विधायक को चेतावनी भरे लहजे में कहा कि एक अनुशासित कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि के रूप में उन्हें अपनी मर्यादाओं का ध्यान रखना चाहिए और पार्टी की नीतियों के विरुद्ध जाकर कांग्रेस को मजबूती देने का काम बंद करना चाहिए।

विधायक शिव की साख पर बट्टा लगा रहा विद्युत विभाग

विधायक कार्यालय के आसपास क्षेत्रो में दिन में तीन-चार बार होती है कटौती, अन्य क्षेत्रों में भी बुरा हाल

रुद्रपुर। शहर की बिजली व्यवस्था इन दिनों गंभीर सवालों के घेरे में है। खासतौर पर विधायक शिव अरोड़ा के कार्यालय के आसपास स्थित क्षेत्रों में दिन में तीन चार बार विद्युत कटौती अब आम बात हो चुकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या अस्थायी नहीं बल्कि रोजमर्रा का "अघोषित नियम" बन चुकी है, जिससे आम जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। हैरानी की बात यह है कि रुद्रपुर के अलावा अन्य नगरों में जब भी बिजली आपूर्ति बाधित होती है, उसकी सूचना पहले से समाचार पत्रों और विभागीय माध्यमों से जारी कर दी जाती है, लेकिन विधायक कार्यालय के आसपास के क्षेत्रों में ऐसी कोई पूर्व सूचना शायद ही कभी दी जाती हो।

इससे लोगों में नाराजगी और अविश्वास दोनों बढ़ रहे हैं। विधायक शिव अरोड़ा इससे पहले भी विद्युत विभाग के खिलाफ सार्वजनिक रूप से नाराजगी जता चुके हैं। उनका कहना रहा है कि विभागीय अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से नहीं ले रहे और आम जनता को बेवजह परेशान किया जा रहा है। बावजूद इसके हालात सुधरने के बजाय और बिगड़ते नजर आ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि विभाग के अधिकारी अब "बेलगाम" हो चुके हैं। न केवल कटौती की समस्या बढ़ रही है, बल्कि बिजली बिलों में अचानक हजारों रुपये की वृद्धि भी लोगों की परेशानी का बड़ा कारण बन रही है। आम परिवारों का कहना है कि वे सीमित आय में किसी तरह गुजारा कर रहे हैं, लेकिन बिजली के भारी-भरकम बिल उनकी कमर तोड़ रहे हैं। जब शिकायत करने विभागीय कार्यालय पहुंचते हैं तो उन्हें बार-बार चक्कर काटने पड़ते हैं। कई उपभोक्ताओं का आरोप है कि छोटे अधिकारी भी खुद को "टॉप अफसर" समझते हुए बात तक ढंग से नहीं करते। शहर में लगातार हो रही कटौती, पारदर्शिता की कमी और बढ़ते बिलों ने विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। लोग पूछ रहे हैं कि जब जनप्रतिनिधियों के इलाके में ही हालात इतने खराब हैं तो आम मोहल्लों की स्थिति कैसी होगी? अब नजरें प्रशासन और उच्च अधिकारियों पर टिकी हैं कि वे इस बिगड़ती व्यवस्था पर कब लगाम कसेंगे और जनता को राहत दिलाने के लिए ठोस कदम उठाएंगे। फिलहाल, रुद्रपुर में बिजली विभाग की हालत को लेकर असंतोष की चिंगारी तेजी से फैलती दिखाई दे रही है।

महापौर ने किया नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति का किया शिलान्यास

रुद्रपुर। नगर निगम के विकास संकल्पों को धरातल पर उतारते हुए महापौर विकास शर्मा ने ट्रांजिट कैंप में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 11 फीट ऊंची अश्वारूढ़ प्रतिमा का विधिवत शिलान्यास किया। पूर्व में की गई घोषणाओं को क्रियान्वित करते हुए महापौर ने स्पष्ट किया कि अब नेताजी की छोटी प्रतिमा के स्थान पर शीघ्र ही एक विशाल और सम्मानजनक प्रतिमा काशीपुर बाईपास रोड की शोभा बढ़ाएगी, जिसके लिए बजट की औपचारिकताएं पूर्ण कर ली गई हैं।शिलान्यास के उपरांत जनसमूह को संबोधित करते हुए महापौर विकास शर्मा ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा की स्थापना केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि बंगाली समाज और प्रत्येक राष्ट्रभक्त की भावनाओं का सम्मान है। उन्होंने कहा कि बंगाली समाज ने लंबे समय से इसकी मांग उठाई थी, जिसे बोर्ड की बैठक में प्राथमिकता से स्वीकृत किया गया। महापौर ने विश्वास दिलाया कि प्रतिमा स्थापना का कार्य अत्यंत अल्प समय में पूर्ण कर लिया जाएगा।क्षेत्रीय विकास पर चर्चा करते हुए महापौर ने बताया कि ट्रांजिट कैंप को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की दिशा में 1.69 करोड़ की लागत से बनने वाले 'रजत जयंती पार्क' का टेंडर जारी कर दिया गया है। शासन से प्राप्त 1.79 करोड़ रुपये के विशेष सहयोग से इस पार्क को एक मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा, जहाँ ओपन जिम, योग स्थल, बच्चों के मनोरंजन क्षेत्र और बुजुर्गों के लिए विश्राम स्थल के साथ-साथ शानदार लैंडस्केपिंग और कैफे की सुविधा भी उपलब्ध होगी। उन्होंने आगे कहा कि बंगाली संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए 'बंग भवन' के निर्माण हेतु भूमि का चयन कर लिया गया है, जो समाज की विरासत को आगे बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा।अपने संबोधन में महापौर ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि इन समस्त विकास योजनाओं के पीछे प्रदेश सरकार का पूर्ण मार्गदर्शन और सहयोग है। उन्होंने कहा कि बंगाली समाज हमेशा से भाजपा की विकासपरक नीतियों के साथ अडिग रहा है, इसलिए सरकार भी उनके हितों और सांस्कृतिक धरोहरों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम में बच्चों की देशभक्ति प्रस्तुतियों और बंगाली समाज द्वारा महापौर के गर्मजोशी से किए गए स्वागत ने आयोजन को यादगार बना दिया।इस अवसर पर मंदिर समिति सचिव एवं बंगाली कल्याण समिति प्रदेश अध्यक्ष श्री दलीप अधिकारी जी, कार्यक्रम अध्यक्ष एवं दर्जा राज्य मंत्री श्री उत्तम दत्ता जी, समिति अध्यक्ष एवं भाजपा जिला महामंत्री श्री तरुण दत्ता जी, पार्षद शुभम दास, अशोक विश्वास, शंकर चक्रवर्ती, प्रभास स्वर्णकार, मानवेंद्र राय, पार्षद 02 एम पी मौर्य, पार्षद 04 सुशील मंडल, समीर राय, रवि सरकार, विकास सरकार, पंकज राज गुप्ता, सुब्रत विश्वास, सुकुमार वैद्य, रतन मंडल, कृष्ण पद विश्वास, आदि सैकड़ों कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे ।।

तेज जाती बाईक की टक्कर से युवक की मौत

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। दक्ष चौराहा पर शुक्रवार की रात्रि तेज जाती बाइक की टक्कर से सड़क किनारे पैदल जा रहे युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक खाना खाने के बाद टहलने के लिए घर से निकला था। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं घायल बाईक सवार को भी उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। जानकारी के अनुसार मूल रूप से बदायूं यूपी निवासी 32 वर्षीय सुदेश कुमार पुत्र रविंद्रपाल तीनपानी डैम ट्रांजिट कैंप में किराये पर रहकर सिडकुल की एक कंपनी में काम करता था। शुक्रवार की रात्रि कंपनी से लौटने के बाद सुदेश ने खाना बनाया। खाना खाने के बाद सुदेश टहलने के निकल गया और बगवाड़ा चौकी क्षेत्र के दक्ष चौराहा रोड पर पहुंच गया। तभी एक तेज रफ्तार से बाइक आई और बाइक सवार ने सुदेश को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सुदेश गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं बाइक सवार को भी चोटें आ गईं।। राहगीरों की मदद से सुदेश को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान सुदेश ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर बगवाड़ा चौकी पुलिस ने चिकित्सालय पहुंचकर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। मृतक सुदेश की पत्नी का पूर्व में निधन हो चुका है। उसकी ढ़ाई वर्ष की पुत्री बुआ के पास रह रही है।

रुद्रपुर के बिल्डर पर रेरा का शिकंजा,रोजाना 25 हजार जुर्माना

देहरादून। रुद्रपुर स्थित सामिया इंटरनेशनल बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ उत्तराखंड रेरा ने सख्त रुख अपनाया है। खरीदार को फ्लैट का कब्जा देने के बजाय उसे किसी अन्य व्यक्ति को बेचने के मामले में रेरा सदस्य नरेश मठपाल की पीठ ने बिल्डर पर प्रतिदिन 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। आदेश में कहा गया है कि यदि 30 दिनों के भीतर खरीदार को कब्जा नहीं सौंपा गया तो यह जुर्माना बढ़कर 50 लाख रुपये हो जाएगा, जिसे 45 दिनों के अंदर रेरा में जमा कराना अनिवार्य होगा। इसके बावजूद अनुपालन न होने पर वर्तमान कब्जे को निरस्त कर मामला न्यायालय भेजा जाएगा। प्रदेश में रेरा द्वारा इस तरह की यह पहली कार्रवाई बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक सामिया इंटरनेशनल दानपुर गांव, रुद्रपुर में 'एनआरआई लेक' नामक आवासीय परियोजना विकसित कर रहा था। इस परियोजना में शब्बीर अहमद ने 8.46 लाख रुपये एडवांस देकर एक फ्लैट बुक कराया था। परियोजना पूरी होने के बावजूद उन्हें कब्जा नहीं दिया गया, जिसके बाद उन्होंने मई 2023 में रेरा में शिकायत दर्ज कराई। सुनवाई के बाद रेरा ने 11 सितंबर 2023 को आदेश पारित करते हुए बिल्डर को 45 दिनों के भीतर शब्बीर अहमद को फ्लैट का कब्जा सौंपने और जमा राशि पर 10.75 प्रतिशत वार्षिक दर से करीब दस वर्षों का विलंब ब्याज, जो लगभग 9.25 लाख रुपये बनता है, अदा करने के निर्देश दिए थे। इस मामले में ब्याज व अन्य शुल्क के रूप में शब्बीर अहमद पर 1.25 लाख रुपये देय थे, जिसके चलते उन्हें कुल 8.44 लाख रुपये बिल्डर को देने थे। बावजूद इसके आदेश का पालन नहीं किया गया, जिसके बाद रेरा ने अब कड़ा दंडात्मक कदम उठाया है।